हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, 25 मई, 2025

तापमान
अधिकतम 41.0 डिग्री
न्यूनतम 23.5 डिग्री

11 भाजपा महिला मोर्चा ने निकाली तिरंगा यात्रा, उमड़ा...

12 सेक्टर-33 की मुख्य मांगे 8 साल से मुख्यालय में

खबर संक्षेप

बुजुर्ग सम्मान निःशुल्क गंगा स्नान यात्रा कल

हिसार। भगवान परशुराम जन सेवा समिति की बैठक न्यू ऋषि नगर स्थित ब्रह्म संस्कृत पाठशाला में समिति के संरक्षक एचके शर्मा की अध्यक्षता में की गई। इसमें पाठशाला के सचिव अशोक शर्मा ने इस बार भी बुजुर्गों के सम्मान में निशुल्क गंगा स्नान करवाने का प्रस्ताव रखा। बैठक में विचार करने के बाद सर्वसम्मति से 26 मई को बुजुर्गों के सम्मान में हिसार से बस द्वारा हरिद्वार गंगा स्नान करवाने का निर्णय लिया गया। समिति संस्थापक योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि 26 मई को प्रातः सात बजे हरिद्वार के लिए विश्वकर्मा धर्मशाला, ऋषि नगर के सामने से बस चलेगी।

आज विशाल निरंकारी महिला समागम

हिसार। निरंकारी मिशन की ओर से 25 मई को जिलास्तरीय विशाल निरंकारी महिला समागम का आयोजन किया जाएगा। मिशन के प्रवक्ता रमेश चुघ ने बताया कि सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की कृपा से यह निरंकारी महिला समागम 25 मई रविवार को प्रातः 9:30 बजे से लेकर दोपहर 12:30 बजे तक सुभाष नगर स्थित निरंकारी सत्संग भवन में भिवानी जोन के इंचार्ज बलदेव राज नागपाल के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह आयोजन मिशन के हिसार ब्रांच संयोजक संजय खुराना की

कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य अधिकारी अलर्ट पर

अभी तक हिसार जिले में कोरोना का मामला सामने नहीं आया

पिछले चार दिनों में जिस तरह विभिन्न क्षेत्रों में मामले सामने आने लगे हैं, उसने विभागीय अधिकारियों को इस बारे में सोचने पर मजबूर अवश्य कर दिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। महाराजा अग्रसेन अस्पताल भवन। फोटो : हरिभूमि

स्थिति पर नजर : सीएमओ डॉ. सपना गहलावत

सीएमओ डॉ. सपना गहलावत का कहना है कि प्रदेश में कई स्थानों पर कोरोना के केस मिले हैं लेकिन जिले में अभी तक ऐसा कोई मामला नहीं है। स्थिति पर पूरी तरह से नजर है। यदि सरकार सैंपलिंग के आदेश करती है तो आदेश मिलते ही सैंपलिंग शुरू कर दी जाएगी।

प्रदेश में कोरोना के कुछ मामले सामने आने के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। हालांकि अभी प्रदेश में न तो ज्यादा मामले सामने आए हैं और न ही सरकार ने कोई आदेश जारी किए हैं, लेकिन विभागीय अधिकारी अपने स्तर पर एहतियात बरतते हुए तैयारियों में जुटे हैं। जिस तरह से प्रदेश में कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं, उसने आमजन को भी चिंता में डाल दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व स्वास्थ्य मंत्री आरती राव स्पष्ट कर चुके हैं कि चिंता की कोई बात नहीं है, विभाग पूरी तरह से तैयार है और किसी को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। इसके बावजूद पिछले चार दिनों में जिस तरह विभिन्न क्षेत्रों में मामले सामने आने लगे हैं, उसने विभागीय अधिकारियों को सोचने पर मजबूर अवश्य कर दिया है। कोरोना की तीन लहरों के दौरान किए गए प्रबंधों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अलर्ट हो गए हैं। यह भी हो सकता है कि विभागीय अधिकारी इस संबंध में शीघ्र ही बैठक करके किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए विचार-विमर्श करें। माना जा रहा है कि अगले सप्ताह विभागीय अधिकारी बैठक करके प्रबंधों पर चर्चा करेंगे ताकि जरूरत पड़ने पर किसी तरह का रिस्क न रहें।

जिला अब तक पूरी तरह से सुरक्षित

प्रदेश में कई स्थानों पर कोरोना के मामले सामने आए हैं लेकिन हिसार जिला अब तक पूरी तरह से सुरक्षित है। सुरक्षित को सुरक्षित रखने के लिए ही स्वास्थ्य अधिकारी अलर्ट मोड पर है ताकि समय रहते प्रबंध किए जा सकें।

तीन लहरों में 1186 की हुई थी मौत

इससे पहले आई कोरोना की तीन लहरों में नागरिकों को खूब चपेट में लिया था। तीन लहरों के दौरान जिलेभर में 1186 लोगों की मौत हो गई थी। कोरोना की दूसरी लहर में सबसे ज्यादा मौतें हिसार में हुई थी।

सतर्कता जरूरी

हिसार जिले में 13 लाख में से महज 58 हजार लोगों ने प्रिकॉशनरी डोज लगवाई

हिसार जिले की बात की जाए तो 13 लाख 19 हजार 294 लोगों को कोरोना वैक्सीनेशन लगाने का टारगेट रखा गया था। इसमें से पहली डोज 96 प्रतिशत लोगों ने लगवाई है। इसके अलावा 75 प्रतिशत लोगों ने दूसरी डोज और महज 58 हजार 339 लोगों ने ही प्रिकॉशनरी डोज लगवाई है। यह भी बताया जा रहा है कि पुलिस और हेल्थ वर्कर्स ने भी प्रिकॉशनरी डोज लेने में लापरवाही बरती है। दोनों में करीब 50 प्रतिशत ने ही डोज ली है।

अखिल भारतीय सेवा संघ ने पेश की मानवता की मिसाल

102 वर्षीय बुजुर्ग का जन्मदिन मनाया

हिसार। भूमि आश्रम में बुजुर्ग को केक खिलाकर जन्मदिन मनाते सेवा संघ के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

■ पदाधिकारियों का अपनापन पाकर छलक आई वृद्ध की आंखें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

अखिल भारतीय सेवा संघ ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए भूमि आश्रम में 102 वर्षीय जोगेन्द्र सिंह तलवार का जन्मदिन बनाया। सेवा संघ के इस अपनेपन को देखकर वृद्ध की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उसकी खुशी के आंसू छलक आए।

सेवा संघ के प्रांतीय सह मीडिया प्रभारी राजेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. योगेश बिदानी के मार्गदर्शन में प्रांतीय अध्यक्ष राजेन्द्र सपड़ा की अगुवाई में सेवा संघ पदाधिकारी भूमि आश्रम पहुंचे। यहां पर पदाधिकारियों ने 102 वर्षीय बाबाजी का जन्मदिन बनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र सपड़ा ने कहा कि सेवा संघ समय समय पर सेवा कार्य चलाकर जनहित में कार्य करने को अग्रणी रहता है।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर उपरोक्त के अलावा शाखा अध्यक्ष विनोद गोयल, सचिव संजीव राजपाल, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सैनी, राजेन्द्र अग्रवाल, प्रदीप कटारिया, रामचन्द्र गुप्ता, गुलशन कथूरिया, जेडी चावला, दिनेश चुघ, शमीम शर्मा, वर्षा जैन, विक्रांत धमीजा, सुंदर नगर की महिलाओं व पुलिस की दुर्गा शक्ति टीम सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने बुजुर्ग का जन्मदिन मनाकर खुशियां बांटी। इस दौरान सभी चेहरों पर एक अलग ही खुशी का अहसास देखने को मिला।

गुजवि के 581 विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने जून 2025 को समाप्त होने वाले शैक्षणिक सत्र के लिए शानदार प्लेसमेंट प्रदर्शन दर्ज किया है। इसमें 18 विभिन्न पाठ्यक्रमों से 155 प्रतिष्ठित कंपनियों में कुल 581 विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला है। यह सफलता अकादमिक उत्कृष्टता और उद्योग तत्परता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने प्लेसमेंट हासिल करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की।

■ कॉर्पोरेट जगत में अपनी योग्यता साबित करना जारी रखते हमारे विद्यार्थी : प्रो. बिश्नोई

बीईएल में 11.50 लाख वार्षिक उच्चतम पैकेज मिला

कुलपति ने कहा कि हमारे विद्यार्थी कॉर्पोरेट जगत में अपनी योग्यता साबित करना जारी रखते हैं। विवि के कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने बधाई दी। प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने कहा कि इस उपलब्धि में प्रमुख योगदान कैरियर वर्स जॉब फेयर 2025 का रहा, जिसके माध्यम से 200 से अधिक विद्यार्थियों ने रोजगार के अवसर हासिल किए, जो विश्वविद्यालय और कॉर्पोरेट क्षेत्र के बीच मजबूत सहयोग को दर्शाता है। इस सत्र के दौरान 11.50 लाख रुपये वार्षिक उच्चतम पैकेज भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) द्वारा पेश किया गया था, जो गुजवि में प्रतिभा पूल में शीर्ष स्तरीय कंपनियों के बढ़ते भरोसे को उजागर करता है। शीर्ष भर्तीकर्ताओं में इंफोसिस द्वारा 101 विद्यार्थियों तथा कॉग्निजेंट द्वारा 11 विद्यार्थियों को प्लेसमेंट दी गई। बोर्ड ऑफ अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के तहत जुबिलेंट फूडवर्क्स ने 35 विद्यार्थियों को समायोजित किया। विवि की रणनीतिक पहलों में से एक, बीटेक और एमबीए विद्यार्थियों के लिए अंतिम सेमेस्टर इंटर्नशिप कार्यक्रम, एक गेम-चेंजर साबित हुआ है। इस वर्ष लगभग 180 विद्यार्थियों ने अंतिम सेमेस्टर के प्रशिक्षु के रूप में पेशेवर यात्रा शुरू की। सहायक निदेशक डॉ. आदित्य वीर सिंह ने कहा कि अन्य प्रसिद्ध और नियमित भर्ती भागीदारों में इंफोसिस, टीसीएस, एचसीएल, यूफ्लेक्स, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, आईएसजीईसी, नागरो, ब्लिंकिट, स्विगी, जिंदल स्टेनलेस स्टील, वीडीओआईटी, एलटीआईमाइंडट्री और डब्ल्यूएनएस ग्लोबल शामिल हैं, जो गुजविप्रौवि के कुशल विद्यार्थियों में उद्योग के विश्वास को प्रदर्शित करते हैं। लगभग 15-20 और प्लेसमेंट ड्राइव हैं जो पाइपलाइन में हैं। सत्र 2024-2025 के लिए प्लेसमेंट अभियान सितंबर 2025 तक जारी रहेगा।

प्रो. नरसी राम बिश्नोई, कुलपति

हांसी: स्कूटी को टक्कर मारने से युवक की मौत

हांसी। सदर थाना पुलिस ने ढाणा खुर्द से ढाणा कलां रोड़ पर शुक्रवार देर शाम इलेक्ट्रिक स्कूटी को टक्कर मारने वाले अज्ञात ट्रेक्टर चालक पर मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप मामले की जांच शुरू कर दी है। ट्रेक्टर की टक्कर लगने से ढाणा खुर्द निवासी 28 वर्षीय युवक अजय की मौत हो गई थी। पुलिस को दी गई शिकायत में मृतक के पिता ओमप्रकाश ने बताया कि शुक्रवार शाम को वह अपने घर के बाहर बैठा हुआ था मेरा लड़का अजय इलेक्ट्रिक स्कूटी पर अपने चाचा बलवान के घर से दूध लेकर घर की तरफ आ रहा था। जैसे ही अजय दूध लेकर घर के समीप पहुंचा तो पीछे से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने अपने ट्रैक्टर ट्राली को तेज गति, गफलत व लापरवाही से चलाते हुए मेरे बेटे अजय की इलेक्ट्रिक स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दी जिससे अजय स्कूटी सहित सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रैक्टर ट्राली को मौके पर छोड़कर चालक फरार हो गया। मैंने एंबुलेंस को फोन कर मौके पर बुलाया और अजय को नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां उसे मृत घोषित कर दिया।

मिर्चपुर के बेटे मेजर मनजीत को मिला कीर्ति चक्र

■ 2024 में आतंकी को घेर कर मारी थी गोली एक युवक व दो बच्चों की बचाई थी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौंद

भारतीय सेना में तैनात जिले के गांव मिर्चपुर के मेजर मनजीत गिल को उनकी बहादुरी के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें कीर्ति चक्र पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मेजर मनजीत को सम्मान मिलने पर पूरे गांव में खुशी का माहौल है। बता दें कि गांव मिर्चपुर के भारतीय सेना में तैनात में मेजर मनजीत गिल ने 25 अप्रैल 2024 को कश्मीर के सोपोर में आतंकवादी को मुठभेड़ के बाद मार गिराया था। वहां पर गोशाला में फंसे एक युवक व दो बच्चों की जान भी बचाई थी। इसी को लेकर राष्ट्रपति ने उनको कीर्ति चक्र पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। हर किसी को गांव के इस बेटे पर गर्व है कि उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए आतंकवादियों से भिड़ गया और उन्हें मार गिराया। गांव मिर्चपुर निवासी मनजीत ने गांव के ही सरकारी स्कूल में सातवीं तक पढ़ाई की उसके बाद जींद निजी स्कूल से दसवीं में 12वीं की पढ़ाई करने के बाद दिल्ली में दिल्ली यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया वहां से फिजिक्स ऑनर्स से बीएससी की पढ़ाई पूरी की। उसके बाद वर्ष 2016 में सेना में पंजाब रेजिमेंट, 22वीं बटालियन राष्ट्रीय राइफल में भर्ती हो । सेना में भर्ती होने के बाद उनकी पोस्टिंग कश्मीर के सोपोर जिले में हुई। 25 अप्रैल 2024 को विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर सोपोर जिले के एक गांव में दो विदेशी आतंकवादियों की गतिविधियों का पता लगाया। फिर घेराबंदी की गई। दोनों तरफ से गोलाबारी शुरू हो गई। 26 अप्रैल को आड़ फायदा लेकर आतंकी बगल में ही एक बाग में घुस गया। मनजीत ने भी बाग की और जाने वाली चारदीवारी की आड़ लेकर आतंकवादी को घेर कर मार गिराया। साथ ही एक गोशाला में एक युवक व दो बच्चे फंसे हुए थे उनको भी वहां से बाहर निकाला। इस बहादुरी के लिए राष्ट्रपति ने द्रौपदी मुर्मू ने 22 मई को राष्ट्रपति भवन में उनको कीर्ति चक्र पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

नारनौंद। राष्ट्रपति भवन में मेजर मनजीत को बहादुरी के लिए कीर्ति चक्र पुरस्कार से सम्मानित करतीं राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू।

बेटे पर गर्व : वीरभान सिंह

मेजर मनजीत के पिता रिटायर्ड प्रिंसिपल वीरभान सिंह ने बताया कि उनको अपने बेटे पर गर्व है। वे देश के लिए सीमा पर रहकर हमारी रक्षा कर रहे हैं। उनकी बहादुरी को देखते हुए ही राष्ट्रपति ने उनको कीर्ति चक्र पुरस्कार से सम्मानित किया है। डीसी कार्यालय में कार्यरत मेजर मनजीत के चचेरे भाई प्रवीण मनजीत शुरू से ही बहादुर था। उनकी माता निर्मला देवी आंगनबाड़ी में कार्यरत हैं। बड़ा भाई चंद्र शेखर रेलवे में स्टेशन मास्टर हैं।

माउंट एवरेस्ट अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में छाया बाबा बंदा बहादुर स्कूल का विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल के छठी कक्षा का विद्यार्थी कार्तिक मेहरा ने नेपाल के काठमांडू में आयोजित चार दिवसीय ग्यारहवीं माउंट एवरेस्ट अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप 2025 में आयु वर्ग 10 -11 में 50 किलोग्राम भार के अंतर्गत कांस्य पदक हासिल कर विद्यालय व अपने अभिभावकों का नाम गौरवान्वित किया। पदक विजेता खिलाड़ी का शनिवार को स्कूल पहुंचने पर प्राचार्या लवली चावला ने पदक पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधन समिति, प्रधानाचार्या, शैक्षणिक कोऑर्डिनेटर व अध्यापकों ने पदक विजेता विद्यार्थी को बधाई देते हुए उसके स्वर्णिम भविष्य की कामना की।इस अवसर पर विद्यालय के शैक्षणिक कोऑर्डिनेटर पवन रावल ने बताया कि खेल सिर्फ मनोरंजन का साधन ही नहीं बल्कि शारीरिक और मानसिक विकास का अहम् हिस्सा है। यह हमें अनुशासन, आत्म विश्वास टीम वर्क जैसे महत्वपूर्ण गुण सिखाता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या लवली चावला ने बताया कि किसी भी खेल में सफलता पाने के लिए कठोर मेहनत, समर्पण और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। यह हमें जीवन में संघर्ष और सफलता की अहमियत सिखाता है। आजकल की तेज-तर्रार जीवन शैली में हम अक्सर तनाव का शिकार हो जाते हैं। लेकिन खेल ही इससे उभरने का प्राकृतिक तरीका है।

हांसी : अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता कार्तिक मेहरा का पदक पहनाकर स्वागत करती स्कूल प्राचार्या लवली चावला

आदमपुर: शहर में बिजली बिल भरने का प्रबंध न होने से भारी परेशानी

आदमपुर। शहर में बिजली बिल भरने का प्रबंध नहीं होने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में बाजार के दुकानदारों, जवाहर नगर एवं बोगा मंडी, नई मंडी के दुकानदारों ने बताया कि पहले व्यापार मंडल धर्मशाला के कमरे में बिजली बिल भरने का प्रबंध था लेकिन न जाने क्यों बिजली निगम द्वारा यह सुविधा बंद कर दी गई है। इसके चलते अब उन्हें गर्मी में 2 किमी दूर निगम के मुख्य कार्यालय जाना पड़ता है जहां भी धूप में खड़ा रहना पड़ता है। लोगों ने प्रशासन एवं निगम तथा जनप्रतिनिधियों से शहर में बिजली बिल भरने की सुविधा दिलाने की मांग की है ताकि परेशानी से बचा जा सके।

डिफेंस म्यूचुअल फंड ने तीन महीने में दिया 54% तक का रिटर्न

- ऑपरेशन सिंदूर के चलते निवेशकों की बन रहे पहली पसंद
- भारत का डिफेंस सेक्टर अब पहला फोकस बनता जा रहा
- डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खूब तेजी, म्यूचुअल फंड भी कर रहे बेहतरीन प्रदर्शन
- म्यूचुअल फंड ने 1 महीने में 27% तक रिटर्न दिए

बिजनेस डेस्क

'ऑपरेशन सिंदूर' ने एक बार फिर दुनियाभर को भारत के डिफेंस सेक्टर की ताकत दिखा दी है। भारतीय मिसाइलों ने जिस तरह से पाकिस्तान में दहशत पैदा की है, उससे ब्रम्होस जैसे देश में बनने वाले हथियारों की ताकत को दिखाया है। इसका नतीजा यह है कि भारत का डिफेंस सेक्टर अब निवेशकों का पहला फोकस बन गया है। डिफेंस सेक्टर के शेयरों में खूब तेजी है, तो डिफेंस म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन भी बेहतरीन दिख रहा है। इन फंड्स का औसत रिटर्न, ब्रॉडर इक्विटी मार्केट से काफी बेहतर है, वहीं शॉर्ट टर्म में दूसरे अन्य सेक्टोरल फंड के मुकाबले भी ज्यादा है।

म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी

भारतीय डिफेंस सेक्टर पर केंद्रित म्यूचुअल फंड्स में जोरदार तेजी देखी जा रही है। इस सेक्टर पर आधारित म्यूचुअल फंड ने जहां 1 महीने में 27 फीसदी, 3 महीने में 54 फीसदी तक रिटर्न दिए हैं, वहीं इनमें 6 महीने का रिटर्न 38 फीसदी तक हो गया है। खास बात है कि इनमें से ज्यादातर म्यूचुअल फंड 1 साल के अंदर लॉन्च किए गए हैं, जिससे यह बात साफ होती है कि इस सेक्टर की ओर म्यूचुअल फंड भी आकर्षित हो रहे हैं, वहीं हाल की घटनाओं के बाद निवेशक की पहली पसंद बन गया है।

3 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 53.82%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 53.19%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 53.12%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 52.92%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 52.82%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 38.44%

6 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 37.94%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 37.82%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 37.78%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 37.46%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 37.15%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 16.86%

1 महीने में डिफेंस फंड का प्रदर्शन

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ	: 27.09%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 26%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 26%
एबीएसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स	: 26%
ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ	: 26%
एचडीएफसी डिफेंस फंड	: 18%

डिफेंस स्टॉक्स में रैली जारी

डिफेंस सेक्टर में निवेशकों का भरोसा और इंटरेस्ट तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्टॉक्स और इंडेक्स दोनों में मजबूत प्रदर्शन हो रहा है। इस सेक्टर में जारी तेजी ने लिस्टेड डिफेंस कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन को बड़ा बूस्ट दिया है। 18 लिस्टेड कंपनियों का कंबाइंड मार्केट कैप अब 11.23 लाख करोड़ रुपये पर है। यह फरवरी के लो लेवल 6.95 लाख करोड़ रुपये से करीब 50 फीसदी ग्रोथ है। मार्च में निफ्टी डिफेंस इंडेक्स में करीब 25 फीसदी, अप्रैल में 11.50 फीसदी और मई में अब तक करीब 9 फीसदी की मजबूती आई है. मझगांव डॉक, कोचिन शिपयार्ड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पारस डिफेंस, गार्डेन रिच शिपबिल्डर्स, एमटीएआर टेक, डाटा पैटर्न, मिश्रा धातु निगम, जेन टेक और स्पेस टेक्नोलॉजीज जैसे स्टॉक का प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के फायदे

- **स्थिर मांग :** डिफेंस सेक्टर में मांग स्थिर रहती है, क्योंकि सरकारें हमेशा अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत बनाने के लिए निवेश करती रहती हैं।
- **लंबी अवधि का निवेश :** डिफेंस सेक्टर में निवेश लंबी अवधि के लिए उपयुक्त हो सकता है, क्योंकि इसमें अक्सर बड़े पैमाने पर परियोजनाएं और अनुबंध शामिल होते हैं।
- **सरकारी समर्थन :** डिफेंस सेक्टर में सरकारी समर्थन अक्सर अधिक होता है, जो निवेशकों के लिए एक सुरक्षित विकल्प प्रदान कर सकता है।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के नुकसान

- **नियामक जोखिम :** डिफेंस सेक्टर में नियामक जोखिम अधिक हो सकता है, क्योंकि सरकारें अक्सर नीतियों और नियमों में बदलाव करती रहती हैं।
- **जोखिम और अनिश्चितता :** डिफेंस सेक्टर में जोखिम और अनिश्चितता अधिक हो सकती है, खासकर जब नए उत्पादों या प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की बात आती है।
- **प्रतिस्पर्धा :** डिफेंस सेक्टर में प्रतिस्पर्धा अधिक हो सकती है, खासकर जब बड़ी कंपनियां शामिल होती हैं।

डिफेंस सेक्टर में निवेश के विकल्प

- **डिफेंस स्टॉक्स:** डिफेंस स्टॉक्स में निवेश करना एक विकल्प हो सकता है, खासकर उन कंपनियों में जो डिफेंस सेक्टर में विशेषज्ञता रखती हैं।
- **डिफेंस म्यूचुअल फंड:** डिफेंस म्यूचुअल फंड में निवेश करना एक अन्य विकल्प हो सकता है, जो डिफेंस सेक्टर में विविध पोर्टफोलियो प्रदान करते हैं।
- **प्राइवेट इक्विटी:** प्राइवेट इक्विटी फंड जो डिफेंस सेक्टर में निवेश करते हैं, एक अन्य विकल्प हो सकता है, जो उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना प्रदान करते हैं।
- **अंततः**, डिफेंस सेक्टर में निवेश करने से पहले अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

घूमने फिरने के शौकीन हैं तो शुरू कर लें ट्रैवल एसआईपी

- म्यूचुअल फंड से पूरा कर सकते हैं अपने ड्रीम वेकेशन का पूरा खर्च
- अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम
- हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना जरूरी
- आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन नहीं बनेगा
- ट्रैवल के लिए एसआईपी बेहतरीन तरीका, यात्राओं के लिए जोड़ सकते हैं पैसे और कर सकते हैं घूमने का सपना पूरा, नहीं होगी कोई परेशानी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी घूमने फिरने के शौकीन हैं या गर्मी की छुट्टियों में कहीं घूमने का प्लान कर रहे हैं तो ट्रैवल एसआईपी आपके लिए सबसे बेहतरीन प्लान हो सकता है। इससे आपको अपने घूमने फिरने की चिंता नहीं रहेगी। आसानी से अपना खर्च मैनेज कर सकेंगे। जैसे ही गर्मी की छुट्टियां शुरू होती हैं, लोगों में घूमने फिरने (ट्रैवल करने) का ट्रेंड बढ़ जाता है, चाहे देश के अंदर घूमना फिरना हो या विदेश जाकर छुट्टियां मनाना। घूमने-फिरने का शौक पूरी तरह से लौट आया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ 2024 के पहले छह महीनों में ही 1.5 करोड़ भारतीय विदेश यात्रा पर गए, जो पिछले साल के समान अवधि मुकाबले 14% ज्यादा है और इस दौरान उन्होंने घूमने फिरने पर कुल 2.83 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। लेकिन अपने सपनों की जगह पर छुट्टियां मनाने जाना सस्ता नहीं होता, सिर्फ पहाड़ों की अकेले ट्रिप का खर्च 1 लाख रुपये तक हो सकता है, जबकि यूरोप में 12 दिनों के लिए कपल टूर की शुरुआत 6 से 7 लाख रुपये (जिसमें हवाई टिकट भी शामिल है) से होती है। तो इसका उपाय क्या है?

समझदारी से करें प्लानिंग

यदि घूमने के लिए जाना है तो समझदारी से प्लानिंग करना, सही बजट बनाना और अपनी वित्तीय स्थिति को अपनी यात्रा की ख्वाहिशों (इच्छा) के साथ जोड़ना यानी सही कदम उठाकर आप बिना किसी आर्थिक तनाव के पूरी दुनिया घूम सकते हैं। जानकारों का कहना है कि अपनी पसंदीदा जगह पर छुट्टी मनाने की योजना बनाने का पहला कदम है हर महीने थोड़ा-थोड़ा पैसा बचाकर अपनी वित्तीय योजना बनाना, ताकि आपके घूमने फिरने पर आने वाला खर्च आपके लिए टेंशन न बने। आप यह काम कुछ चुनी हुई म्यूचुअल फंड स्कीम्स में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके धुमंतू स्टाइल को बिना किसी चिंता के चमका देंगी।

शॉर्ट-टर्म लक्ष्य के लिए लिक्विड फंड्स

अगर आपकी यात्रा की योजना अगले एक साल के अंदर की है, तो लिक्विड फंड के बारे में विचार करें। ये फंड आपके सेविंग्स अकाउंट से ज्यादा रिटर्न दे सकते हैं, साथ ही इनमें से पैसा निकालना आसान (हाई लिक्विडिटी) होता है और जोखिम भी कम होता है। उदाहरण के लिए, अगर आप 1 लाख रुपये के बजट की मानसून रिट्रीट प्लान कर रहे हैं, तो लिक्विड फंड या आर्बिट्रेज फंड में निवेश करके आप अपना लक्ष्य हासिल कर सकते हैं और आपकी रकम आसानी से उपलब्ध रहेगी। जहां सेविंग्स अकाउंट में आपको सालाना सिर्फ 1.75% तक ब्याज मिल सकता है, वहीं लिक्विड फंड्स में कंपाउंडिंग के जरिए आप इसे बढ़ाकर 6% तक रिटर्न हासिल कर सकते हैं। अगर आप थोड़ा और समझदारी से निवेश करें और आर्बिट्रेज फंड में लगाएं, तो आप साल भर में 7.5% तक रिटर्न कमा सकते हैं।

ट्रैवल एसआईपी शुरू करें

ट्रैवल के लिए एसआईपी यह एक ऐसा बेहतरीन तरीका है, जिसमें आप अपनी यात्राओं के लिए पैसे बचा सकते हैं। चाहे आप देश के अंदर किसी छोटी जगह घूमने जा रहे हों या विदेश की लंबी यात्रा पर, एसआईपी आपको हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करने की सुविधा देता है। ये पैसे धीरे-धीरे बढ़ते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि जब आपको अपनी यात्रा के लिए पैसों की जरूरत होगी, तो फंड तैयार रहेगा। उदाहरण के तौर पर, अगर आप 3 साल बाद अपने पार्टनर के साथ पेरिस घूमने की योजना बना रहे हैं और आपका बजट 5 से 6 लाख रुपये है, तो सालाना 13% रिटर्न मानते हुए, आपको हर महीने लगभग 12,000 रुपये की एसआईपी शुरू करनी होगी या फिर, आप 1.5 लाख रुपये का एकमुश्त निवेश करके अपनी मंथली एसआईपी को घटाकर करीब 7,500 रुपये कर सकते हैं।

लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड

क्या आप 5-10 साल में दुनिया घूमने या किसी शानदार क्रूज पर जाने की योजना बना रहे हैं? लॉन्ग टर्म ट्रैवल प्लान के लिए इक्विटी फंड सबसे बेहतर विकल्प हो सकते हैं, क्योंकि इनमें हाई रिटर्न मिलने की संभावना होती है। कंपाउंडिंग की ताकत से ये फंड आपको एक बड़ा फंड बनाने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप हर महीने 10,000 रुपये किसी इक्विटी फंड में निवेश करते हैं और 12% सालाना रिटर्न की उम्मीद करते हैं, तो 10 सालों में आपके पास लगभग 20 लाख रुपये जमा हो सकते हैं, जो आपके ड्रीम वेकेशन के लिए काफी होंगे।

सीजनल यात्रियों के लिए खास टिप्स

सर्दियों की यात्राओं के लिए

जनवरी में एक एसआईपी शुरू करें जो अगले साल दिसंबर तक चले। 12 महीने की एसआईपी बैलेंस्ड या हाइब्रिड फंड में करें। यह आपके छुट्टी के खर्चों को पूरा करने में मदद करेगा। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड जैसे हाइब्रिड फंड आमतौर पर आर्बिट्रेज फंड की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं।

गर्मियों की छुट्टियों के लिए

पीक सीजन के खर्च को अच्छे से मैनेज करने के लिए 18 महीने पहले से निवेश शुरू करें। इसके लिए मल्टी एसेट फंड जैसे हाइब्रिड फंड का उपयोग करें। अगर आप 3-5 साल की अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं, तो आप प्योर इक्विटी फंड पर भी विचार कर सकते हैं, जिसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता होती है. ऐसे में लार्ज कैप फंड आपकी पहली पसंद होनी चाहिए।

(डिसक्लेमर : यह जानकारी एक्सपर्ट के हवाले से दी है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए अपनी यात्रा के लक्ष्यों से मेल खाने वाली निवेश रणनीतियों के लिए किसी एम्फी रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर या म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर से सलाह लें।)

दस साल में 19 से 22% सालाना रिटर्न के साथ विनर बने ये 5 स्मॉलकैप फंड

- 10 साल में 10 इक्विटी फंड्स का रिटर्न सबसे ज्यादा
- इनमें से 5 स्कीम स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स की
- इस दौरान निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना तक बढ़ा
- इन स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की रेटिंग भी मजबूत

बिजनेस डेस्क

बीते 1 दशक यानी 10 साल की बात करें तो इक्विटी म्यूचुअल फंड में स्मॉलकैप कैटेगरी क्लीयर विनर साबित हुई है। 10 साल में जिन 10 इक्विटी फंड्स का रिटर्न सबसे ज्यादा है, उनमें से 50 फीसदी यानी 5 स्कीम स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स की हैं। इन 5 स्कीम ने लम्प सम निवेश पर 10 साल में 19 से 22 फीसदी सालाना की दर से रिटर्न दिया है। इनमें निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना तक बढ़ गया, वह भी सिर्फ 10 साल में। वहीं, एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए किए गए निवेश पर 20 से 24 फीसदी सालाना रिटर्न मिला है। 10 साल की अवधि में रिटर्न देने में डॉमिनेट करने वाले इन स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड की रेटिंग भी मजबूत है। इन सभी स्कीम को 3 स्टार से 5 स्टार रेटिंग मिली हुई है। इनमें एसबीआई म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड और एक्सिस म्यूचुअल फंड की स्मॉलकैप स्कीम शामिल हैं। हम इस रिपोर्ट में 1 से नंबर 5 रही स्कीम की जानकारी देंगे।

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 30,880 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.78% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.15% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 5,76,687 रुपये (5.77 लाख)
- कुल फायदा : 4,76,687 रुपये (4.77 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.80%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 42,53,472 रुपये

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 23,318 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.56% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.68% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,02,859 रुपये (6.03 लाख)
- कुल फायदा : 5,02,859 रुपये (5.03 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.68%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 44,77,632 रुपये

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 3 स्टार
- एसेट्स : 31,790 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.72% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 19.90% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,14,033 रुपये (6.14 लाख)
- कुल फायदा : 5,14,033 रुपये (5.14 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.52%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 41,84,206 रुपये

क्वांट स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 5 स्टार
- एसेट्स : 26,222 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.68% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 20.29% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 6,34,301 रुपये (6.34 लाख)
- कुल फायदा : 5,34,301 रुपये (5.34 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 24.98%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 54,33,614 रुपये

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- रेटिंग : 4 स्टार
- एसेट्स : 58,029 करोड़ रुपये (30 अप्रैल, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.68% (30 अप्रैल, 2025)
- 10 साल में लम्प सम पर रिटर्न : 22.27% सालाना
- वन टाइम इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- 10 साल बाद निवेश की वैल्यू : 7,46,791 रुपये (7.47 लाख)
- कुल फायदा : 6,46,791 रुपये (6.47 लाख)

एसआईपी का प्रदर्शन

- 10 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 23.96%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1,00,000 रुपये
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 10,000 रुपये
- 10 साल में कुल निवेश : 13,00,000 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 51,18,853 रुपये

इक्विटी में घट रहा निवेश तो डेट और हाइब्रिड फंड्स में बढ़ रहा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में इन दिनों मंदड़ियों का ही राज है। इस वजह से म्यूचुअल फंड के निवेशकों ने भी पहले की तरह से खुले हाथ से पैसा लगाना कम कर दिया है। तभी तो बीते महीने यानी अप्रैल 2025 के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश थोड़ा कम हुआ है। बीते अप्रैल में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 24,269 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि एक महीने पहले यानी मार्च 2025 यह आंकड़ा 25,082 करोड़ रुपये का था।एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल अप्रैल महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च के मुकाबले लगभग 3% की गिरावट आई है। लोग अब इक्विटी फंड से ज्यादा, डेट म्यूचुअल फंड में पैसा लगा रहे हैं। बीते महीने डेट म्यूचुअल फंड में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। जबकि इस साल मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। अप्रैल में इसमें यह एक बड़ा बदलाव आया है।

ईएलएसएस का जलवा खत्म!

आप जानते ही होंगे कि इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में कई तरह की कैटेगरी होती हैं। इनमें से 11 कैटेगरी में से ईएलएसएस फंड्स को छोड़कर बाकी सभी में अप्रैल महीने के दौरान उल्लेखनीय निवेश आया। फ्लेक्सी-कैप फंड्स निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इनमें सबसे ज्यादा, 5,541 करोड़ रुपये का निवेश आया। हालांकि, ये मार्च के 5,615 करोड़ रुपये से थोड़ा कम था। स्मॉल-कैप फंड्स दूसरे नंबर पर रहे। इनमें लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निवेश आया।

ये हैं तेज बढ़ते फंड्स

बीते अप्रैल महीने के दौरान सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश बहुत तेजी से बढ़ा। अप्रैल में इनमें 2,000 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये सिर्फ 170 करोड़ रुपये आया था। वहीं, ईएलएसएस फंड्स से अप्रैल में 372 करोड़ रुपये निकाले गए। जबकि मार्च में इसमें 735 करोड़ रुपये का निवेश आया था। पिछले साल अप्रैल 2024 में भी इससे 144 करोड़ रुपये निकाले गए थे।

डेट फंड का बढ़ा वैल्यू

डेट म्यूचुअल फंड्स की 16 कैटेगरी में से 12 में निवेश आया। लिक्विड फंड्स में सबसे ज्यादा निवेश आया। अप्रैल में लिक्विड फंड्स में 1.18 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में इससे 1.33 लाख करोड़ रुपये निकाले गए थे। यह एक बड़ा बदलाव है।

कम अवधि के फंड में क्या?

मनी मार्केट फंड्स और अल्ट्रा शॉर्ट ड्यूरेशन फंड्स में भी अच्छा निवेश आया। इनमें अप्रैल में क्रमशः 31,507 करोड़ रुपये और 26,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। डेट फंड्स की चार कैटेगरी ऐसी रहीं जिनसे अप्रैल में पैसा निकाला गया। इनमें गिल्ट फंड्स से सबसे ज्यादा, 425 करोड़ रुपये निकाले गए। इसके बाद क्रेडिट रिस्क फंड्स से 301 करोड़ रुपये निकाले गए। डायनेमिक बॉन्ड फंड्स से सबसे कम, 10.23 करोड़ रुपये निकाले गए। मार्च में इससे 372 करोड़ रुपये निकाले गए थे, जिसके मुकाबले ये बहुत बेहतर है।

हाइब्रिड फंड्स में भी बढ़ा निवेश

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में अप्रैल में 14,247 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 946 करोड़ रुपये निकाले गए थे। हाइब्रिड फंड्स की छह कैटेगरी में से डायनेमिक एसेट एलोकेशन, मल्टी-एसेट एलोकेशन और आर्बिट्रेज फंड्स में पॉजिटिव फ्लो देखने को मिला। आर्बिट्रेज फंड्स में सबसे ज्यादा, 11,790 करोड़ रुपये का निवेश आया। जबकि मार्च में इससे 2,854 करोड़ रुपये निकाले गए थे। मल्टी-एसेट एलोकेशन और डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड्स में क्रमशः 2,105 करोड़ रुपये और 881 करोड़ रुपये का निवेश आया।

इन फंड्स से निकाले गए पैसे

इस महीने कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स, एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स और इक्विटी सेविंग्स फंड्स से क्रमशः 236 करोड़ रुपये, 151 करोड़ रुपये और 141 करोड़ रुपये निकाले गए। दूसरे स्कीम्स, जिनमें इंडेक्स फंड्स और ईटीएफएस शामिल हैं, में भी निवेश 43% बढ़ा। अप्रैल में इस कैटेगरी में 20,229 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि मार्च में ये 14,48 करोड़ रुपये था।

डेट फंड्स

डेट फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स हैं जो मुख्य रूप से डेट सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जैसे कि बॉन्ड, डिबेंचर, और सरकारी सिक्योरिटीज। डेट फंड्स का उद्देश्य नियमित आय और पूंजी की सुरक्षा प्रदान करना है।

डेट फंड्स के फायदे

- नियमित आयः डेट फंड्स नियमित आय प्रदान कर सकते हैं।
- कम जोखिमः डेट फंड्स आमतौर पर इक्विटी फंड्स की तुलना में कम जोखिम वाले होते हैं।
- पूंजी की सुरक्षाः डेट फंड्स का उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा करना है।

हाइब्रिड फंड्स

हाइब्रिड फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स हैं जो इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करते हैं। हाइब्रिड फंड्स का उद्देश्य इक्विटी के उच्च रिटर्न और डेट की सुरक्षा दोनों को प्रदान करना है।

हाइब्रिड फंड्स के फायदे

- विविधीकरणः हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करके विविधीकरण प्रदान करते हैं।
- जोखिम प्रबंधनः हाइब्रिड फंड्स जोखिम प्रबंधन में मदद कर सकते हैं।
- नियमित आय और पूंजी प्रशंसाः हाइब्रिड फंड्स नियमित आय और पूंजी प्रशंसा दोनों प्रदान कर सकते हैं।
- इन दोनों प्रकार के फंड्स में निवेश करने से पहले, अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

खबर संक्षेप

तीन बच्चों सहित महिला लापता, केस दर्ज

हिसार। अग्रोहा थाना के गांव में महिला अपने तीन बच्चों के साथ लापता हो गई। महिला गांव के ईट भट्टे पर मजदूरी करती थी और अपने तीनों बच्चों सहित कहीं चली गई। अग्रोहा पुलिस को दी शिकायत में उत्तर प्रदेश के एटा जिला निवासी सुनील ने बताया कि वह अपनी पत्नी नीलम के साथ पिछले 7-8 साल से कनोह गांव में एक ईंट भट्टे पर मजदूरी करते हैं। उनकी शादी 2017 में हुई थी और उनके तीन बच्चे हैं जिनमें कंचन (6 वर्ष), दीक्षा (5 वर्ष), और भानु (10 माह) है। सुनील ने बताया कि 23 मई को उसकी पत्नी नीलम और तीनों बच्चे बिना किसी सूचना के घर से निकल गए।

आपसी कहासुनी में एक व्यक्ति को पीटा, घायल

बरवाला। क्षेत्र के गांव खरकड़ा में मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। दुकान पर सामान लेने की कहासुनी के बाद कुछ लोगों ने घर में घुसकर मारपीट की। बरवाला पुलिस को दी शिकायत में पीड़ति राकेश ने बताया कि वह गांव की दुकान पर बैठा था, जहां एक व्यक्ति संजय के साथ सामान लेने को लेकर उसकी कहासुनी हो गई। राकेश घर चला गया लेकिन बाद में संजय, उसकी पत्नी उषा और कुनाल ने जबरदस्ती उसके घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की।

अवैध पिस्तौल सहित एक गिरफ्तार

हिसार। अवैध हथियार रखने वालों पर कार्रवाई करते हुए सीआईए टीम ने एक व्यक्ति को काबू कर अवैध पिस्तोल बरामद किया है। एएसआई सूरजभान ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान झिड़ी हाइवे पुल के पास से एक व्यक्ति को काबू किया। पूछताछ में उसने अपना नाम महावीर कॉलोनी निवासी मयंक बताया। तलाशी में मयंक के कब्जे से एक अवैध पिस्तोल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने पिस्तोल व कारतूस कब्जे में लेकर उस पर अग्रोहा थाना में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया।

गेहूं चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हांसी। शहर थाना पुलिस ने गेंहू चोरी करने वाले आरोपी गढ़ी निवासी दीपक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी ने 22 मई को सांई कालोनी निवासी मंजीत के उत्तम नगर कालोनी में बने गोदाम में से गेहूं चोरी कर लिया था। शहर थाना पुलिस ने मंजीत की शिकायत पर मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

सट्टा लगाने के आरोप में एक काबू, नकदी बरामद

हांसी। विशेष अभियान के दौरान स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस ने एक युवक को सरेआम सट्टा खाईवाल करते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जमावड़ी निवासी नरेश के रूप में हुई है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के पास से 15,700 रुपए की नगदी व सट्टा पर्ची बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस को गश्त पड़ताल दौरान सूचना मिली थी कि जमावड़ी गांव के बस स्टैंड के समीप एक व्यक्ति सरेआम सट्टा खाइवाल कर रहा है। नरेश को 15,700 रुपयों सहित गिरफ्तार करके रुपयों को कब्जा पुलिस में लेकर आरोपी पर सदर थाना हांसी में मामला दर्ज किया है।

महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुनीता रेड्डू के नेतृत्व में कार्यक्रम

भाजपा महिला मोर्चा ने निकाली तिरंगा यात्रा, उमड़ा जनसैलाब

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया : सुनीता रेड्डू

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। तिरंगा यात्रा निकालती भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ता।

ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा मोर्चा जिला अध्यक्ष सुनीता रेड्डू के नेतृत्व में एचएयू के चार नंबर गेट से लेकर शहीद स्मारक तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सुनीता रेड्डू ने कहा कि लाल सिंदूर की ललकार ने दुश्मन के खेमे में हाहाकार मचा दिया है। देश की सेना ने अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए दुश्मन को उसके घर में घुसकर ऐसा करारा जवाब दिया, जिसे वह कभी भुला नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। यह हमारे वीर जवानों के शौर्य और पराक्रम का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस तिरंगा यात्रा का उद्देश्य इस सफलता का जश्न मनाना और देश के प्रति अपनी एकता और अखंडता का संदेश देना है। सुनीता रेड्डू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया गया है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकी अड्डों को तबाह कर यह संदेश दिया है कि भारत देश अब अब आतंकियों की किसी हरकत को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्हें हर वार का मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस तिरंगा यात्रा में सरोज सिहाग, स्नेहलता निंबल, मीनाक्षी, प्रिया सोनिया, रोमन, सरिता, मुनिता, संजना, मोनिका, सुशीला, पूजा व प्रियंका सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं।

ओलंपियाड में आरपीएस के छात्रों को प्रथम इंटरनेशनल रैंक मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

सिल्वर जोन इंटरनेशनल ओलंपियाड में आरपीएस के चार विद्यार्थी जयश्री, हिमांशी, भव्या तथा पीहू ने 100 प्रतिशत स्कोर कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया हैं। विद्यालय के 45 विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगी परीक्षा में सफलता पाई है। सभी चयनित विद्यार्थियों को आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव, प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि सिल्वर जोन इंटरनेशनल ओलंपियाड में विद्यालय के चार विद्यार्थी द्वारा शत-प्रतिशत अंक लेकर प्रथम रैंक प्राप्त करना विद्यालय के साथ-साथ जिले व प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। आरपीएस के विद्यार्थी आज प्रदेश व देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्कार व गुणवत्ता युक्त शिक्षा ही आरपीएस की पहचान है।

सिल्वर जोन इंटरनेशनल के अंग्रेजी विषय में नवीश यादव, अनिमेष, अंकित कुमार, प्रियांशी यादव, वेदांशी, आरव कौशिक, रक्षा, दिव्या, खुशी यादव, प्रिया, साक्षी तथा मैथ ओलंपियाड में इशू, आरव, अंकित कुमार, आरव, यश, यश कुमार आरव कौशिक, मुकुल यादव, नैतिक, जय श्री, रक्षित, ज्योति, मानवी, हिमांशी, जियान, भव्या तथा साइंस ओलंपियाड में नवीश यादव, सक्षम आर्य, देवांश, आरव कौशिक, मुकुल यादव, आयुष सांगवान, जयश्री, अश्विन, हिमांशी, जिया, भव्या, पीहू, यशवर्धन राजपूत, दर्श, हर्ष, सैंटी, वंशिका सिंह सहित 45 बच्चों ने सफलता प्राप्त की है। सभी चयनित विद्यार्थियों को आरपीएस के उप प्राचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड़, पवन तिवारी, विंग हैड देवेंद्र पूनिया, जिले सिंह, अमित कुमार, साक्षी मलिक, अनीता अहलावत सहित स्टाफ सदस्यों ने बधाई दी।

बेसहारा बेटी का आश्रम की टीम ने कराया इलाज परिवार से भी मिलाया

हिसार। हमारा प्रयास मंदबुद्धि महिला अनाथ आश्रम ने फतेहाबाद की एक बेसहारा बेटी को पांच महीने बाद उसके परिवार से मिलवाया। महिला एवं यूथ उत्पीड़न निवारण मंच के तत्वावधान में संचालित हमारा प्रयास मंदबुद्धि महिला अनाथ आश्रम की टीम के पास सामाजिक कार्यकर्ता विनोद कुमार लक्ष्मी को अग्रोहा हॉस्पिटल में उपचाराधीन दो महीने के बाद छुटटी दिलवाकर हमारा प्रयास मंदबुद्धि महिला अनाथ आश्रम में लेकर पहुंचा और टीम को बताया कि लक्ष्मी के पिता इस दुनिया में नहीं हैं, माता ने दूसरी शादी कर ली है। लक्ष्मी अनाथ है और इसका कोई सहारा नहीं है। इसके बाद आश्रम टीम को सूचना के माध्यम से पता चला कि लक्ष्मी को तीन-चार साल पहले नशे की लत की वजह से अपनी मां के पास नहीं रहती थी। लक्ष्मी को नशे की लत की वजह से ही उसके पांव में लगातार छह महीने से दिक्कत थी। इसके उपचार के लिए दो महीने लगातार उसे अग्रोहा हॉस्पिटल में एडमिट किया गया। उसके बाद आश्रम की टीम द्वारा उसका इलाज करवाया गया। लक्ष्मी की लगातार काउंसलिंग व साइट्रिक के माध्यम से आश्रम की टीम द्वारा उपचार दिलाया गया जिससे लक्ष्मी में काफी सुधार दिखाई दिया। इसके बाद हमारा प्रयास आश्रम की टीम और अर्बन एस्टेट चैकी टीम के प्रयासों से लक्ष्मी को उसकी मां गायत्री तथा उसके अंकल के साथ उसके गांव में भेजा गया। इस कार्य में पुलिस चौकी से जयप्रकाश, सोनिया, मोहित, नरेंद्र के अलावा अनिल बागड़ी, सुशील गौतम फ्रांसी, मंजू स्याहड़वा, रवीना, अनीता मौजूद थे।

सुलखनी स्कूल का परिणाम शत प्रतिशत

- उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथिगण। *फोटो : हरिभूमि*

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुलखनी का 10वीं और 12वीं कक्षा का बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत परिणाम आने के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य राजकुमार श्योराण ने की। समारोह में मुख्या अतिथि के रूप में गांव की सरपंच गीता रेहलन, सरपंच प्रतिनिधि विकास रेहलन व पूर्व डीडीओ नरेश श्योराण, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी रघुबीर श्योराण व समाजसेवी प्रकाश चंद्र घोड़ेला उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए प्राचार्य राजकुमार श्योराण ने कहा कि इस शानदार परीक्षा परिणाम के लिए विद्यार्थी, अभिभावक व विद्यालय स्टाफ सदस्य बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सभी आधुनिक सुविधाएं शुद्ध पेयजल, साफ सुथरे शौचालय, डिजिटल क्लास रूम, कंप्यूटर लैब, आधुनिक लाइब्रेरी, सांइस लैब व खेल मैदान उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय का स्टाफ काफी उच्च शिक्षित है। इसी का परिणाम है कि बोर्ड परीक्षा में विद्यालय का परिणाम शानदार रहा है। प्राचार्य राजकुमार श्योराण ने ग्रामीणों से अपने बच्चों का ज्यादा से ज्यादा दाखिला विद्यालय में करवाने की अपील की। समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी खुशी का इजहार किया।

किराड़ा में लाखों की नकदी व गहने चोरी

- पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। घटना के बाद खुला पड़ा संदूक।

अग्रोहा थाना क्षेत्र के गांव किराड़ा में अज्ञात चोरों ने एक घर की खिड़की तोड़कर 2.54 लाख की नकदी और सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। अग्रोहा पुलिस को दी शिकायत में विनोद कुमार ने बताया कि 23-24 मई की रात को वह अपने परिवार के साथ घर पर सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके घर की पिछली खिड़की तोड़कर कमरे में रखी लोहे की संदूक में सेंधमारी की। चोर संदूक से दो लाख 54 हजार रुपये की नकदी के साथ-साथ दो तोले सोने का हार, दो सोने की अंगूठियां, एक माथे का टीका, एक जोड़ी सोने की बालियां, एक सोने की नाक की तिल्ली, और एक जोड़ी चांदी की पायजेब चुराकर फरार हो गए। सुबह जब विनोद और उनका परिवार कार्य करने के लिए उठा तो उन्हें चोरी का पता चला। पुलिस ने विनोद की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके छानबीन आरंभ कर दी है। शिकायतकर्ता ने पुलिस से जल्द से जल्द चोरों को पकड़कर उनका सामान बरामद करने की मांग की है।

छोटी खबरें

चांदतारी देवी की स्मृति में नि:शुल्क कैंप आज से

हिसार। भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा द्वारा संचालित दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में स्वर्गीय चांदतारी देवी की 25वीं पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में निशुल्क नेत्र जांच व नेत्र ऑपरेशन शिविर 25 व 26 मई को आयोजित किया जाएगा। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष सुरेंद्र कुच्छल, सचिव एडवोकेट राजेश जैन व प्रोजेक्ट हेड रामनिवास अग्रवाल ने बताया कि गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की प्रेरणा से चनोतिया परिवार द्वारा इस शिविर में विशेष सहयोग किया जाएगा। इस शिविर में चांदतारी देवी की पड़पौत्री दीक्षा व प्रज्ञा की भी विशेष भूमिका रहेगी।

रोटरी क्लब ने बच्चों को पुस्तकें व ड्रेस की वितरित

हिसार। रोटरी क्लब ने शनिवार को मॉडल टाउन में स्थित ज्योति मुक्त साक्षरता एवं शिक्षा केन्द्र में छोटे छोटे बच्चों को ड्रेस व पुस्तकें बांटी। इस अवसर पर प्रोजेक्ट चेयरमैन एवं नगर पार्षद संजय डालमिया ने कहा कि निःस्वार्थ भावना से किया भलाई का कार्य व जरूरतमंदों की सहायता कभी व्यर्थ नहीं जाती और वह कार्य हमेशा सफल होता है। रोटरी क्लब अपने सामाजिक दायित्व निभाने के लिए सदैव तत्पर है तथा क्लब द्वारा अनेक सामाजिक कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। इस अवसर पर स्कूल प्रचार्य संगीता जैन, दूनी चंद गोयल, सजंय गर्ग, दया नंद सिंगला, अक्षय डालमिया, कंचन भूटानी, पवन कुमारी, सतीश गर्ग मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

राहुल गांधी के साथ ज्योति की फोटो एडिट करके वायरल करना निंदनीय : पूनिया

हिसार। वरिष्ठ कांग्रेस नेता वजीर सिंह पूनिया ने जासूसी के आरोप में गिरफ्तार ज्योति मल्होत्रा के साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की फोटो करके डालने के प्रकरण की निंदा की है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग राहुल गांधी की छवि को धूमिल करना चाहते हैं, जो निंदनीय है। ऐसे लोग राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर ओछे हथकंडे अपना रहे हैं। वजीर सिंह पूनिया ने कहा कि जासूसी के आरोप में गिरफ्तार की गई ज्योति मल्होत्रा से सुरक्षा एजेंसियां पुलिस पूछताछ कर रही है और जांच में क्या निकलता है, यह भविष्य की बात है लेकिन ऐसा लगता है कि भाजपा व उसके चाटुकार राहुल गांधी की लोकप्रियता से घबरा अवश्य गए हैं।

किसान के खेत से ट्रांसफार्मर चोरी, मामला दर्ज

नारनौंद। गांव मोठ रांगरान के एक किसान के खेत से ट्रांसफार्मर चोरी कर लिया। मोठ रांगरान निवासी पीड़ित किसान जगतार सिंह ने बताया कि जब वह खेत में गया तो देखा कि उसके खेत में लगा 25 केवीए का बिजली का ट्रांसफार्मर नीचे पड़ा हुआ है उसके अंदर लगी कीमती क्वायल गायब थी। और ट्रांसफार्मर में तेल भी नहीं था। कोई अज्ञात चोर चोरी करके मौके से फरार हो गया। इसकी शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने बिजली निगम के एएफएम आजाद सिंह के बयान पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज करके तलाश शुरू कर दी है।

सरकारी स्कूल के छात्रों को किया सम्मानित

नारनौंद। पेटवाड़ के सरकारी स्कूल में छात्रों को सम्मानित करते हुए।

नारनौंद। गांव पेटवाड़ के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत आने पर प्रधानाचार्य मीना कुमारी के नेतृत्व में जागरूकता रैली निकालकर सभी छात्रों का स्वागत किया। शनिवार को पेटवाड़ गांव के एसएलएनआर राजकीय कन्या विद्यालय का दसवीं और बारहवीं कक्षा का परिणाम शत प्रतिशत आने की खुशी में विद्यालय स्टाफ और विद्यार्थियों ने पूरे गांव में एक जागरूकता रैली निकाली। जिसमें कक्षा12वीं और 10 वीं कक्षा के मेरिट आने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्राचार्य मीना कुमारी ने बताया कि कक्षा 12 वीं में 17 छात्रों में से 10 ने बोर्ड मेरिट, पांच छात्र प्रथम श्रेणी से पास हुए। कक्षा 10 वीं के 18 छात्रों में से चार ने बोर्ड मेरिट प्राप्त की तथा 11 छात्र प्रथम श्रेणी से पास हुए। इस मौके पर विद्यालय की प्राचार्य मीना कुमारी, संगीत ककड़, कृष्णा, अनीता, सरिता,अन्नू, मोनिका, संतोष, सूरज कुमार, कुलदीप, राजेश कुमार, बलजीत सिंह, दिनेश शास्त्री आदि मौजूद रहे।

एक्सईएन संदीप माथुर का सिरसा तबादला

- कर्मचारियों ने विदाई समारोह का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

हांसी। विदाई समारोह में कार्यकारी अभियंता संदीप माथुर का पगड़ी बांध कर स्वागत करते कर्मचारी।

सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप माथुर का हांसी से सिरसा तबादला होने पर कर्मचारियों व क्षेत्रों के लोगों द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह के दौरान विधायक विनोद भयाना, एसई सिंचाई विभाग कंस्ट्रक्शन सुनील वर्मा, सिंचाई विभाग एसई विमल विश्नोई भाखड़ा जल सेवा परिमंडल हिसार, पूर्व एसई एसपी पनिहार, हांसी नवनियुक्त कार्यकारी अभियान नवदीप सांगवान, कार्यकारी अभियंता आनंद श्योराण हिसार, कार्यकारी अभियंता श्रवण, एसडीओ गोल्डी शर्मा, एसडीओ संदीप, विरेंद्र ढांडा, अजय सिहाग सहित सिंचाई विभाग के तमाम कर्मचारी मौजूद थे। इस दौरान सिंचाई विभाग ब्रांच हांसी यूनियन के प्रधान अशोक यादव ने अपनी कार्यकारिणी के साथ संदीप माथुर को पगड़ी बांध कर सम्मानित किया। बता दें कि संदीप माथुर ने 11 साल तक हांसी में अपनी सेवाएं दी। उन्होंने 2014 में हांसी ज्वाइन किया था।

भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित

- सेवा भारती के कार्यकर्ता जरूरतमंदों की सेवा में सदैव रहते हैं तत्पर : रणबीर गंगवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरवाला

बरवाला। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा का स्वागत करते आयोजक।

सेवा भारती की ओर से देशबंधु सेवा सदन बरवाला के भवन निर्माण के लिए आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सेवा भारती संगठन समाज के लिए अद्वितीय कार्य कर रहा है। कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि सेवा भारती संगठन शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। संगठन द्वारा संचालित विभिन्न प्रकल्प समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए समरसता व सेवा का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि सेवा भारती के कार्यकर्ता बिना किसी भेदभाव के गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों की सेवा में सदैव तत्पर रहते हैं। यह संगठन सामाजिक समरसता का सशक्त प्रतीक बन चुका है। कार्यक्रम में अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री एवं महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य प्रेम गोयल, नगरपालिका चेयरमैन रमेश बैटरीवाला, पूर्व चेयरमैन सतबीर सिंह वर्मा, भाजपा नेता रणधीर सिंह धीरु, कमल सर्राफ, बृजलता, रमेश सिंगला, संजीव गुप्ता, राजबीर वर्मा, रामलाल सहित समाजसेवी एवं संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भीख नहीं किताब दो संस्था को कूलर व स्टेशनरी भेंट

हिसार। भीख नहीं किताब दो संस्था द्वारा संचालित स्वाभिमान अध्ययन केंद्र एवं छात्रावास, तलवंडी राणा में एक अत्यंत प्रेरणादायक एवं भावनात्मक अवसर पर संस्था के समर्पित टीम सदस्य सुखबीर नागर द्वारा अपने पिता स्वर्गीय चौधरी दरियाव सिंह धानक का जन्म दिवस सेवा कार्य के रुप में मनाया गया। उन्हीं की स्मृति को समर्पित इस अवसर पर सुखबीर नागर ने बच्चों के लिए एक बड़ा कूलर, आवश्यक स्टेशनरी सामग्री और फल भेंट स्वरुप प्रदान किए। कार्यक्रम में भारत सिंह मलिक, संदीप, रत्न सिंह सरपंच, अभिषेक नागर, रोहतास सैनी, शकुंतला देवी, सुमन रानी, ध्रुव बामणिया व अलवीना ने चौ. दरियाव सिंह धानक को श्रद्धांजलि अर्पित की। भीख नहीं किताब दो संस्था की संचालिका अनु चिनिया ने सुखबीर नागर के प्रयास के लिए उनका आभार किया।

दाखिले के लिए विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षा करनी होगी पास

हकृवि में शैक्षणिक सत्र से दो नए कोर्स होंगे शुरू

- दोनों विषयों के लिए महाविद्यालय में 25-25 सीटें निर्धारित की गई
- मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में होगी शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। एचएयू का मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-2026 से दो नए कोर्सिज शुरू किए गए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के तहत शुरू किए गए बीएससी (ऑनर्स) फिजिकल साइंसिज व बीएससी (ऑनर्स) लाइफ साइंसिज कोर्स में विद्यार्थी 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात प्रवेश ले सकेंगे। दाखिले के लिए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा पास करनी होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि बीएससी (ऑनर्स) फिजिकल साइंसिज में उन विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा जिन्होंने बारहवीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान तथा गणित के साथ उत्तीर्ण की है। इसी प्रकार बीएससी (ऑनर्स) लाइफ साइंसिज कोर्स में उन विद्यार्थियों को दाखिला दिया जाएगा जिन्होंने बारहवीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान तथा जीव विज्ञान विषयों के साथ पास की है। उपरोक्त दोनों कोर्सेज की अवधि चार वर्ष होगी। उन्होंने बताया कि बीएससी ऑनर्स फिजिकल साइंस के विद्यार्थियों को पहले तीन वर्ष मुख्य रूप से भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं गणित विषयों का अध्ययन कराया जाएगा। अंतिम वर्ष में बीएससी (ऑनर्स) की डिग्री के लिए इन तीनों विषयों में से किसी भी एक विषय का विस्तार से अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार बीएससी (ऑनर्स) लाइफ साइंसिज के विद्यार्थियों को पहले तीन वर्ष रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा जीव विज्ञान का अध्ययन करना होगा। अंतिम वर्ष में उपरोक्त तीन विषयों में से किसी भी एक विषय का चयन बीएससी (ऑनर्स) की डिग्री के लिए करना होगा। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने बताया कि उपरोक्त दोनों विषयों के लिए महाविद्यालय में 25-25 सीटें निर्धारित की गई हैं। कोर्सिज में दाखिला लेने के इच्छुक 31 मई तक आवेदन कर सकते हैं।

गाड़ी छीनने के दो आरोपी अवैध हथियारों सहित काबू

हिसार। क्रेटा गाड़ी छीनने के आरोपी पुलिस गिरफ्त में।

हिसार। सीआईए टीम ने एयरपोर्ट चौक के पास से दो व्यक्तियों को काबू करके उनसे तीन अवैध पिस्तोल और आठ कारतूस सहित काबू किया। पूछताछ में आरोपियों ने नारनौंद क्षेत्र में क्रेटा गाड़ी छीनने की वारदात करना स्वीकार किया है। सीआईए प्रभारी उप निरीक्षक कर्ण सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान एयरपोर्ट चौक के पास दो व्यक्तियों को काबू किया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम राजस्थल निवासी अमन और नारनौंद में रह रहे पेटवाड़ निवासी पंकज बताया। तलाशी लेने पर अमन और पंकज के कब्जे से तीन अवैध पिस्तोल और आठ कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने पिस्तोल व कारतूस बरामद करके दोनों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों पर एचटीएम थाना में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपियों से हुई पूछताछ का हवाला देते हुए सीआईए प्रभारी ने बताया कि आरोपियों ने 18 मई को दो वारदातें की थी। इन्होंने जींद बरवाला रोड से पिस्तोल के बल पर एक क्रेटा गाड़ी छीनी और गांव रामराय में हवाई फायरिंग कर हिसार आ गए। हिसार पहुंचने पर सेक्टर 33 में पुलिस टीम को देखकर गाड़ी वहीं छोड़ भाग गए। पुलिस ने क्रेटा गाड़ी बरामद कर ली थी। इन वारदातों के बारे में इन पर थाना नारनौंद और सदर जींद में केस दर्ज है।

खबर संक्षेप

शनि जयंती पर मीठे पानी की छबील 27 को

हिसार। प्रभु प्रेमी संघ की हिसार शाखा की ओर से शनि जयंती के उपलक्ष्य में 27 मई को प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक पुष्पा कॉम्पलैक्स स्थित सिद्धि विनायक मंदिर में मीठे पानी की छबील लगाई जाएगी। संघ के प्रवक्ता कैलाश गोयल ने बताया कि सायंकाल 7 बजे आरती के बाद प्रसाद वितरित किया जाएगा।

कुलदीप बिश्नोई कल से दो दिन के दौरे पर

हिसार। भिवानी एवं हिसार से सांसद रहे कुलदीप बिश्नोई अपने प्रदेश स्तरीय दौरे की कड़ी में 26 एवं 27 मई को कैथल, कुरूक्षेत्र, यमुनानगर एवं करनाल जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे, अपने वर्करों का हालचाल जानेंगे, सुख-दुख में शिरकत करेंगे। इससे पूर्व 26 मई को सुबह 11 बजे वे नलवा में विधायक रणधीर पनिहार के साथ वन नेशन-वन इलेक्शन कार्यक्रम में भी भाग लेंगे।

गुजवि ने परीक्षा परिणाम किए घोषित

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि दिसम्बर 2024 में आयोजित एमएससी मैथेमेटिक्स प्रथम सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2021-2023, एमएससी मैथेमेटिक्स यूटीडी प्रथम सेमेस्टर (मेन) बैच 2024, एमएससी फूड टेक्नोलॉजी प्रथम सेमेस्टर (मेन) बैच 2024, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी प्रथम सेमेस्टर (मेन) बैच 2024, पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसलिंग प्रथम सेमेस्टर (मेन) बैच 2024 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन

हिसार। डीसी अनीश यादव ने बताया कि गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों नामतः पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री के लिए गृह मंत्रालय की ओर से ऑनलाइन नामांकन के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई है। नामांकन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल अवार्डजीओवी.इन पर ऑनलाइन ही स्वीकार की जाएंगी। नामांकन करने वाले व्यक्ति एक व्याख्यात्मक प्रशस्ति-पत्र भी जिसमें अनुसंशित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और अन्य उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख हो, प्रस्तुत किया जाए।

ओएलएक्स पर कार बेचने के नाम पर 4.35 लाख ठगे

कैथल। धनौरी गांव में कार खरीदने के नाम पर चार लाख 35 हजार रुपये ठगने का मामला सामने आया है। इस मामले में आरोपी ने पीड़ति को जो चेक दिए, जिनमें नाम की स्पेलिंग गलत होने के कारण वे बैंक में जमा नहीं हुए।जब आरोपी को फोन किया गया तो उसने कॉल भी रिसीव नहीं की। इस संबंध में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। कैथल सदर थाना की पुलिस में दी गई शिकायत में धनौरी गांव निवासी मनोज ने बताया कि वह मेहनत-मजदूरी करता है।

बैठक में अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

सेक्टर-33 की मुख्य मांगे 8 साल से मुख्यालय में अटकी

सोसायटी पदाधिकारियों ने बैठक कर सीएम व एसीएस से मिलने का लिया फैसला, समस्याओं का समाधान नहीं होने पर धरना देंगे: धर्मवीर पानू

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। सेक्टर-33 की समस्याओं को लेकर चर्चा करते रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारी व सदस्य।

रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी सेक्टर 33 की मीटिंग प्रधान धर्मवीर पानू की अध्यक्षता में डॉ. सुरेंद्र बिश्नोई के निवास स्थान पर हुई। मीटिंग में सेक्टर की समस्याओं को लेकर विचार विमर्श किया गया। सेक्टर की मुख्य मांगे 8 सालों से मुख्यालय लटक रही है। कई बार अधिकारियों व मुख्यमंत्री को ज्ञापन दे चुके हैं लेकिन इसकी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके कारण अधिकारियों की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगता है। प्रधान धर्मवीर पानू ने बताया कि मीटिंग में मुख्य समस्याओं को लेकर एडिशनल चीफ सेक्रेटरी व मुख्यमंत्री से मिलने पर सहमति बनी। अगर इन समस्याओं का फिर भी हल नहीं होता तो सेक्टरवासी धरना प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे।

बिजली-पानी की समस्या

मीटिंग को संबोधित करते हुए प्रधान धर्मवीर पानू ने बताया कि सेक्टर 33 में पावर हाउस न बनने से बिजली की सप्लाई सेक्टर 14 के पावर हाउस से की जा रही है, जिसके कारण सेक्टर 14 का पावर हाउस ओवरलोड रहता है, बार-बार कट लगाए जा रहे हैं। इसका खामियाजा तीनों सेक्टरों के निवासियों ने भुगतना पड़ रहा है। प्रधान ने बताया यही स्थिति जलघर की है क्योंकि सेक्टर 33 को पानी सेक्टर 14 के जलघर से मिलता है जब भी गर्मी का सीजन आता है तो स्टोरेज कम होने से पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं होता। इसके कारण अब की बार लोगों को पीने के पानी के लाले पड़ रहे हैं। जलघर न बनने से आने वाले समय में सेक्टर वासियों को और भी भयंकर स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। लोगों में इन समस्याओं को लेकर काफी रोष है और अधिकारियों की कार्यशाली को लेकर गुस्सा है।

यह रहे उपस्थित

मीटिंग में सचिव बलविंदर सिंह, पार्षद प्रतिनिधि अनिल टीनू जैन, सहसचिव सुरेंद्र बिश्नोई, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार, राम कुमार सांगवान, सुनील कुमार, बलबीर भूंबक, लक्ष्मीनारायण, प्रो. कौर सिंह नहरा, सतबीर मेहरा, निहारिका चौहान, धर्मपाल कस्वां आदि उपस्थित रहे।

देवी अहिल्या बाई होल्कर ने नारी शक्ति व प्रशासनिक दक्षता का अद्वितीय उदाहरण पेश किया : मनीष ग्रोवर

- भाजपा ने ब्राह्मण धर्मशाला में त्रिशती जयंती कार्यक्रम के तहत संगोष्ठी का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

बरवाला। संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य वक्ता पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर।

रानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जन्मोत्सव पर शनिवार को भाजपा द्वारा स्थानीय ब्राह्मण धर्मशाला में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर व पूर्व मंत्री बनवारी लाल उपस्थित रहे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा विशेष रूप से उपस्थित रहे। संगोष्ठी की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने की। संगोष्ठी का संयोजन कार्यक्रम के जिला संयोजक देवेंद्र शर्मा देव ने किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने देवी अहिल्या बाई होल्कर को भारतीय इतिहास की उन महान नारियों में एक बताया, जिन्होंने नारी शक्ति, प्रशासनिक दक्षता और धार्मिकता का अद्वितीय उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के अहमदनगर में जन्मीं माता अहिल्याबाई प्रारंभ से ही विलक्षण प्रतिभा और प्रखर बुद्धि की धनी थीं। 11 दिसंबर 1767 को जब उन्हें विधिवत राज सिंहासन सौंपा गया तब उन्होंने न केवल राज्य को स्थापित किया, बल्कि उसे समृद्धि की ओर अग्रसर किया। उन्होंने होल्कर साम्राज्य की समस्त संपत्तियों पर तुलसी जल रख कर उसे भगवान शिव को अर्पित किया। पूर्व मंत्री बनवारी लाल ने कहा कि माता अहिल्या बाई होलकर ऐसी प्रतिमूर्ति थी, जिनमें मां से लेकर शासक तक का समावेश था। उन्होंने निर्विवाद व निष्पक्ष शासक के रूप में खुद को पेश करके एक मिसाल कायम की, जो सराहनीय है। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि माता अहिल्या बाई साक्षात मातृत्व की प्रतिमूर्ति थी। उनके शासन में हर बच्चा उन्हें मां समझकर सानिध्य माता था। उन्होंने निष्पक्षता का ऐसा उदाहरण पेश किया कि जरूरत पड़ी तो खुद के बेटे को भी दंड देने से गुरेज नहीं किया। इस अवसर पर हांसी भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, पूर्व चेयरमैन रणधीर धीरु, धर्मवीर रतेरिया, जिला परिषद चेयरमैन सोनू डाटा, बरवाला नप चेयरमैन रमेश बैटरीवाला, कार्यक्रम सहसंयोजक प्रवीण गोदारा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नीलम जांगड़ा सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी व मातृशक्ति मौजूद रही।

आदमपुर में ट्रैक्टर चालक से मारपीट करके नकदी छीनी

हरिभूमि न्यूज ⏭आदमपुर

- पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई

क्षेत्र के गांव कालीरावण के पास दिनदहाड़े ट्रेक्टर चालक से लूट की वारदात हो गई। घटना को एक बाइक सवार ने अंजाम दिया। उसे ट्रेक्टर चालक से मारपीट भी की। जानकारी के अनुसार ट्रेक्टर चालक राहुल यूपी के जिला बांदा का रहने वाला है। वह फिलहाल जिले के कुलेरी गांव में रह रहा है। वह ईंट उतारने गया था और वापस लौट रहा था। इस दौरान अज्ञात बाइक सवार ने उसका रास्ता रोका और 15 हजार रुपये छीन लिए। उसे थप्पड़ मारकर फरार हो गया। ट्रेक्टर चालक राहुल ने अग्रोहा पुलिस को शिकायत दी। उसने बताया कि वह कुलेरी में सूरज ब्रिक्स कंपनी में काम करता है। घटना के दिन में आदमपुर में सुरेंद्र कुमार के यहां ईंट उतारने गया था। कार्य पूरा कर सुबह 11:10 बजे वह वापस कुलेरी लौट रहा था।रास्ते में कालीरावण के पास एक अज्ञात व्यक्ति ने एचएफ डीलक्स बाइक से उसका रास्ता रोका और उसे ट्रेक्टर से उतरने को कहा। जैसे ही राहुल ने ट्रेक्टर रोका, बाइक सवार ने उसे थप्पड़ मारा और उसकी जेब से 15 हजार रुपए छीनकर फरार हो गया।

स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने पकड़ी नशे की खेप

हिसार। नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर कार्रवाई करते हुए स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने सुरेवाला चौक उकलाना के पास से दो व्यक्तियों को काबू किया है। पुलिस ने उनसे 111.21 ग्राम हेरोइन, एक अवैध पिस्तोल, पांच कारतूस और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। उप निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर सुरेवाला चौक के पास नाकाबंदी कर गाड़ी सवार दो व्यक्तियों को काबू किया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम टोहाना के समैण निवासी दीपा और नरवाना के खरड़वाल निवासी मनीष बताया। कब्जे से 111.21 ग्राम हेरोइन और तीन मोबाइल फोन बरामद हुए।

एचएयू के दलहन अनुभाग को सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार मिलना स्वागत योग्यः हौटा

डॉ. अशोक गोदारा।

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (हौटा) ने एचएयू के दलहन अनुभाग को सवश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार मिलने पर प्रसन्नता जताई है। संगठन ने दलहन वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि यह कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के मार्गदर्शन में कार्य कर रहे वैज्ञानिकों की मेहनत का परिणाम है। हौटा प्रधान डॉ. अशोक गोदारा एवं अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि हाल ही में एचएयू के दलहन अनुभाग को सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा मूंग अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार मूंग की उच्च गुणवत्ता युक्त फसलों का उत्पादन देने वाली किस्मों और तकनीकों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा अब तक उच्च गुणवत्ता वाली मूंग की नौ किस्में विकसित की गई हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से यह पुरस्कार दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव ने प्राप्त किया।

थायरॉइड दिवस पर लगेगा कैंप

- थायरॉइड दिवस पर टाटा वन एमजी लैब की ओर से जांच आज

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। मधुबन पार्क में कैंप लगाकर लोगों को जागरूक करते हुए।

थायरॉइड जैसी गंभीर बीमारी प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 25 मई को विश्व थायरॉइड दिवस मनाया जाता हैं। विश्व थायरॉइड दिवस के अवसर पर टाटा वनएमजी लैब सेक्टर 13 हिसार द्वारा थायरॉइड की पूर्ण जांच मात्र 99 रुपए में की जाएगी। इसके साथ साथ शुगर, कॉलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड और कैल्शियम की जांच फ्री की जाएगी। टाटा लैब के मैनेजर परमवीर न्योलिया ने बताया कि ऑफर स्पेशल थायरॉइड दिवस पर दिया गया है ताकि लोगों को थायरॉइड के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने बताया कि थायरॉइड में वजन घटना व बढ़ाना, असंतुलित मांसपेशियों को कमजोर करना, हार्मोन में उतार चढ़ाव आना जैसी कई समस्याओं को सामना करना पड़ता हैं। गले के निचले हिस्से ने मौजूद ग्रंथि थायरॉइड हार्मोन बनाती है जो शरीर की ऊर्जा खपत, तापमान, दिल की धड़कन और पाचन क्रिया को नियंत्रित करती हैं।

कविता प्रधान और नीलम उपप्रधान बनी

- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहपुर में स्कूल प्रबंधन समिति का गठन

कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि।

हिसार। नजदीकी गांव शाहपुर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्रिंसिपल डॉ. आदर्श चौधरी की अध्यक्षता में स्कूल प्रबन्धन समिति का गठन किया गया। समिति इंचार्ज ज्योति मदान, प्रवक्ता कल्पना वशिष्ठ, दीप्ति शर्मा, जगदीश भाटिया, सुभाष चन्द्र, पीटीई अंग्रेज सिंह की देखरेख में आगामी दो वर्षों के लिए समिति बनाई गई। इसमें सर्वसम्मति से कविता रानी प्रधान तथा नीलम रानी को उपप्रधान चुना गया। अन्य सदस्यों में गीता नौखवाल, गीता सांगवाल, पूनम वर्मा, गंगा गैदर, मोनू सेन, सज्जन नौखवाल, बलबीर सैणी, सुरेश वर्मा, राजेन्द्र वर्मा आदि मौजूद रहीं।

श्रद्धालुओं के भंडारे के लिए की राशन की व्यवस्था

विधायक ने गाड़ियों को किया रवाना

- केदारनाथ, बद्रीनाथ, हेमकुण्ड साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए रास्ते में भंडारे के लिए गाड़ी से राशन भेजा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। राशन की गाड़ियों को रवाना करते आदमपुर विधायक चन्द्र प्रकाश व बीड़ बबरान लंगर व यात्रा कमेटी के मुख्य सेवादार। *फोटो: हरिभूमि*

बीड़ बबरान लंगर व यात्रा कमेटी बीड़ बबरान ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी केदारनाथ बद्रीनाथ हेमकुण्ड साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए रास्ते में भंडारे के लिए राशन की गाड़ी को स्थानीय बालसमंद रोड से रवाना किया। बीड़ बबरान लंगर व यात्रा कमेटी के मुख्य सेवादार लाडी सिंह व सभी सदस्यों राशन की गाड़ियों को नागोरी गेट स्थित गुरुद्वारा साहिब में अरदास करवाई। राशन की गाड़ियों को आदमपुर के विधायक चन्द्र प्रकाश ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर विधायक चन्द्र प्रकाश ने समिति के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि दुर्गम क्षेत्र में भी सेवा सामग्री पहुंचना व सेवा देना बहुत प्रशंसनीय कार्य है। बतौर मुख्य मेहमान राशन की गाड़ी को झंडी दिखाने से पूर्व लहरा गागा पंजाब से पहुंचे बाबा गुरतेज सिंह ने सरबत की भलाई के लिए अरदास की व गुरु साहिब से राशन भेजने की आज्ञा ली।

25 क्विंटल सामग्री भेजी

बीड़ बबरान लंगर सेवा व यात्रा कमेटी के मुख्य सेवादार लाडी सिंह पूर्व सरपंच ने बताया कि यह सेवा कार्य कमेटी पिछले लगभग 18 वर्षों से आपसी सहयोग से कर रही है। इसके लिए बाहर से कोई चंदा राशि एकत्रित नहीं की जाती। इस बार कमेटी सदस्यों ने 25 क्विंटल सामग्री भेजी है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

भविष्य की दुनिया बदल देगी

जेनेटिक इंजीनियरिंग

यह सही है कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इसके अलावा एक और वैज्ञानिक तकनीक ऐसी है, जो भविष्य में दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है, वो है-जेनेटिक इंजीनियरिंग। इसकी क्षमताओं, इससे उपजने वाली संभावनाओं और सामने आने वाले संकटों पर एक नजर।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

आजकल हर कहीं सबसे ज्यादा चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की ही होती है। लेकिन इससे होने वाले फायदों के साथ ही इससे हो सकने वाले नुकसान के बारे में भी लोग कई तरह की आशंकाएं व्यक्त करते हैं। सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ही वैज्ञानिक चिंताएं नहीं हैं, जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर भी कई विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे खतरनाक दोधारी तलवार मान रहे हैं। इनके मुताबिक इसके कुछ बहुत लाभकारी पहलू हैं, लेकिन कुछ गंभीर खतरे और नैतिक प्रश्न भी इससे जुड़े हैं, जो लगातार डरावने हो रहे हैं।

कई वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जेनेटिकिस्ट और सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जॉर्ज चर्च कहते हैं, 'माना कि जेनेटिक इंजीनियरिंग में भारी संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बायोटेररिज्म जैसे दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता।' चर्च तो यहां तक कहते हैं कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ गई, तो यह महामारी और जैविक युद्ध का कारण बन सकती है। आनुवंशिकीय या जेनेटिक इंजीनियरिंग के निजी नियंत्रण में जाने से कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। महान भौतिकविद स्वर्गीय स्टीफन हाकिंग कहा करते थे कि अगर जेनेटिक इंजीनियरिंग का दुरुपयोग हुआ तो कुछ 'सुपरह्यूमन' लोग खुद को बाकी मानव जाति से श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा था कि जीन एडिटिंग के कारण भविष्य में कोई नस्ल 'जेनेटिकली मोडीफाइड एलीट' बन सकती है, जो बाकी पर हावी हो सकती है।

मिसयूज में जुटे हैं कई वैज्ञानिक

अगले एक दशक के भीतर ही इस प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के असर का आकलन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि वैज्ञानिक इसकी काट में लगे हुए हैं। गुणसूत्रों या जीन में हेर-फेर करके कैंसर और कुछ दूसरी लाइलाज बीमारियों से निजात पाने का रास्ता तलाशने की वर्तमान प्रकिया निकट भविष्य में संसार के कई देशों को और फिर समूचे संसार को अगले एक दशक के भीतर ही खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर सकती है। हालिया शोध और विकास की पड़ताल से पता चलता है कि इस दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति के साथ-साथ कुछ नकारात्मकक ताकतें भी सक्रिय हैं, वे इस तकनीक का दुरुपयोग कर सकती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, जहां आनुवंशिकी और जीन संपादन या कहें जेनेटिक इंजीनियरिंग पर गहन काम हो रहा है, वहां के वैज्ञानिक अब खुलेआम यह कहने लगे हैं कि कुछ वैज्ञानिक निहित स्वार्थों के तहत तो कुछ स्वार्थी देशों के चंगुल में फंसकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के साथ ऐसे प्रयोग में लगे हैं, जिसके नतीजे घातक हो सकते हैं। विज्ञान की नैतिकता और देश के कानून के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे ये वैज्ञानिक आने वाले एक दशक में मानवता के लिए बेहद भयावह समस्या खड़ी कर सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की यह चिंता वाजिब है कि यह न सिर्फ आनुवंशिकी और चिकित्सा के क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदेह है वरन, संपूर्ण मानवता को संकट में डालने वाला है। इसलिए जीन एडिटिंग से संबंधित कार्यों को सरकार के कठोर नियंत्रण में होना चाहिए।

पनप सकते हैं खतरनाक रोग

जेनेटिक अभियांत्रिकी फिलहाल एक खुला क्षेत्र है। इस पर सरकारी नियंत्रण बहुत कम है। इधर इस क्षेत्र के तीव्र विकास में निजी क्षेत्र का भी बहुत योगदान सामने आया है। ऐसे में कुछ कॉरपोरेट के खरीदे हुए वैज्ञानिकों ने तरह-तरह के पेटेंट करवाकर इसे अरबों डॉलर का व्यवसाय बना दिया है। कमजोर नियंत्रण और इस तरह के विकास और बाजार के प्रवेश ने इसे भविष्य के वैश्विक संकट बनने की सहूलियतें प्रदान कर दी हैं। इसलिए भविष्य में जीन इंजीनियरिंग खतरा बन सकती है। आशंका इस बात की है कि रोगों से लड़ने की जैव तकनीक ढूंढने वाले चिकित्सकों की शोध का सहारा ले ये वैज्ञानिक नए रोगों का इजाद कर दवा व्यापार का नया रास्ता निकालने का काम न शुरू कर दें। ऐसे में असाध्य रोगों के कम होने की बजाय नए और घातक रोग बढ़ सकते हैं, जिनका इलाज ढूंढ़ना पहले से भी जटिल और मुश्किल साबित हो सकता है। ब्यूबॉनिक प्लेग खतरनाक है पर आज उसका इलाज मौजूद है। अब अगर इस रोग के जीवाणुओं की जेनेटिक इंजीनियरिंग कर दी जाए तो यह जनसंहार का ऐसा हथियार बन जाएगा, जिसका काट तुरंत मिलना तो नामुमकिन ही होगा।

दुनिया को होना होगा सचेत

कॉरपोरेट और बाजार के हाथों में जाकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक व्यापक जनसंहार के हथियारों में बढ़ोतरी कर सकता है और जैविक आतंकवाद का नया खतरा खड़ा हो सकता है। कुछ देश इस तरह के वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला बन सकते हैं और भविष्य में तमाम दूसरे देशों के साथ-साथ इसके शुरुआती शिकार भी। बहरहाल, इस प्रौद्योगिकी का समाज के नियंत्रण से बाहर होना भविष्य में भयानक परिणाम ला सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया को इस दिशा में सचेत रहना होगा। *

असाध्य रोगों का इलाज होगा संभव

यह सही है कि जीन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बीते कुछ बरसों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बहुत से फायदे भी हमें मिलने लगे हैं या मिलने वाले हैं। मसलन, इस नई तकनीक का सहारा लेकर आज वैज्ञानिक पहले से बहुत ज्यादा आसानी से, कम समय में और बेहद सटीक तरीके से गुणसूत्रों का कुशल संपादन कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग के जरिए निकट भविष्य में ही सिस्टिक फाइब्रोसिस या कई तरह के कैंसर का इलाज बेहद सरल हो जाने वाला है। इस तकनीक में स्मृतिभ्रंश या अलजाइमर, एचआईवी और ब्लड कैंसर या बीटा थैलेसेमिया जैसे रोगों से निजात दिलाने की खूबी है। इससे ऐसे बैक्टीरिया बनाए जा रहे हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति दिलाएंगे, साथ ही ये बतौर ईंधन भी इस्तेमाल होंगे और इनसे रोगों को दूर करने वाले टीके भी बनाए जाएंगे। इस तकनीक से मानव शरीर के खराब अंगों को जानवरों के अंगों से बदला जा सकेगा और अंग प्रत्यारोपण के लिए सही अंगों का निर्माण निजी प्रयोगशालाओं में हो सकेगा। निजी कंपनियां करीब 40 फीसदी मानव अंगों को पेटेंट करा भी चुकी हैं। जिस तरह कॉरपोरेट इस क्षेत्र में निवेश को उतावला है, उसे देखते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में हर कदम पर खतरा सूंघकर आगे बढ़ना होगा ताकि उनके प्रायोगिक निष्कर्षों और प्रक्रियाओं का गलत लाभ ऐसे वैज्ञानिक न उठा सकें, जिनके संबंध स्वार्थी देशों या संगठनों से जुड़े हैं।

संभव होंगे डिजाइनर बेबी

जेनेटिक अभियांत्रिकी तकनीक के तहत गुणसूत्रों में हेर-फेर करके मनचाहे शिशु यानी डिजायनर बेबी की सुविधा आसानी से उपलब्ध होने के चलते भविष्य में बहुत से लोग अपने बच्चे को बेहतर और सुरक्षित बनाना चाहेंगे। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग से बच्चे की लंबाई, आंखों का रंग और बहुत से शारीरिक बदलाव के साथ उसे कई अनुवांशिक बीमारियों से मुक्त तो किया जा सकता है पर इस बात की भी पूरी गारंटी है कि वह बच्चा कुछ नई बीमारियों और संक्रमण के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता ही खो सकता है।

डेवलपमेंट
प्रमोद भार्गव

तकनीक के विकास ने ट्रेडिशनल वॉर के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इसी के मद्देनजर डी.आर.डी.ओ. सेना के लिए फाइटर रोबोट्स बना रहा है।

सेना में शामिल होंगे ह्यूमनॉइड फाइटर रोबोट

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे और स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट का निर्माण दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को जान का जोखिम कम हो।

तेजी से हो रहा कामः डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। चार साल से इस परियोजना पर काम चल रहा है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है।

सेना बना रही योजनाः भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ाई जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, हवाईयानों, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी बनाए जाने की तैयारी है। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है।

दुश्मनों से लड़ना होगा आसानः सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य और अदृश्य शक्ति के रूप में उतर कर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। दुश्मन की घुसपैठ और पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी।

कई कार्यों में होंगे सक्षमः रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्केन कर सेना के सक्षम कंप्यूटरों में उतार देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉन्चिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले-अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आस-पास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों के छिपे होने की आशंका हो। रोबो सैनिक की सेवा देने की उम्र 25 साल रहेगी। ये इतने चपल होंगे कि जवाबी कार्यवाही के लिए ये तुरंत 360 डिग्री घूमकर दुश्मन पर अचूक निशाना साधने में सक्षम होंगे। ये लड़ाकू रोबोट पानी के नीचे 20 मीटर की गहराई तक भी काम करने में दक्ष होंगे। इनमें रडार, जीएसएम और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे, जो 10-15 किमी तक के स्थल को ट्रेस कर सेना के नियंत्रण कक्ष को जानकारी भेज देंगे।

लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर दुश्मन की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों और जवानों को इसका विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। *

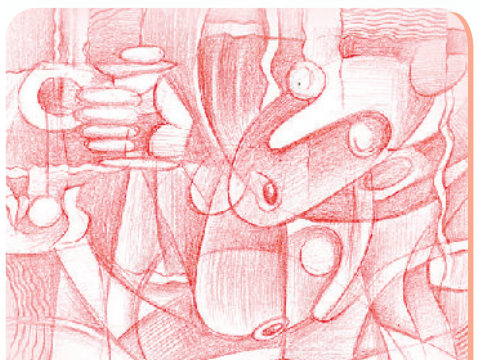

गजल
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

डर ही डर है

हर शै में डर ही डर है
मन में दुख का सागर है
कल घर में थीं दीवारें
अब दीवारों में घर है
हरियाली का नाम नहीं
जिसको देखो बंजर है
कोई देख न पाएगा
हर-सू ऐसा मंजर है
कौन किसे समझाएगा
सबके दिल में खंजर है
हाल किसी का क्या बोलें
हालत बद से बदतर है
दस्तावेजों में 'नवरंग'
आज कड़ाही में सर है

व्यंग्य
संदीप भटनागर

गधे और गुलाब जामुन

गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

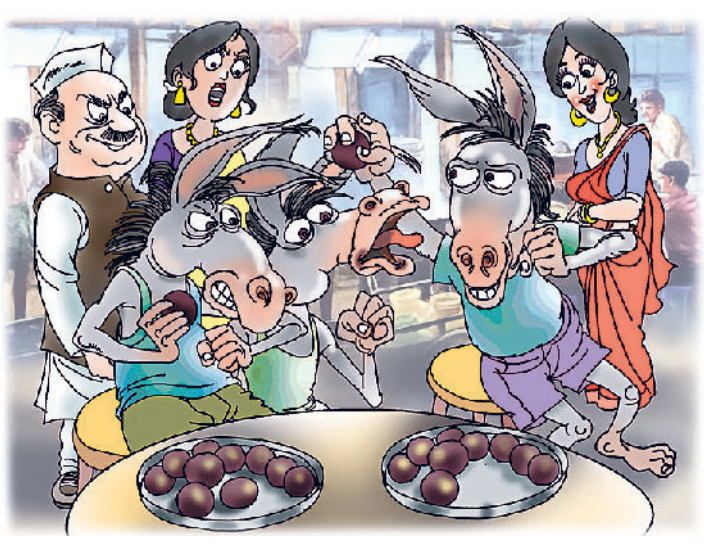

मिष्ठदंती होने के नाते मुझे मिठाइयों से विशेष प्रेम है। संतुलित भोजन और मीठे से परहेज करने के तमाम निर्देशों के बावजूद बारंबार इनके रस जाल के मोह में पड़ना सुमधुर और स्वादिष्ट लगता है। पसंद के मामले में सभी पारंपरिक मिठाइयों में गुलाब जामुन सदैव नंबर वन रहा है। अपनी अतिप्रिय मिठाई के बारे में कुछ रोचक समाचार पढ़ने को मिले। मध्य प्रदेश के एक शहर में गधों को गुलाब जामुन खिलाए गए। दूसरे शहर में जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन नहीं लिए जाने पर आंदोलनकर्ताओं का प्रेम गधों पर उमड़ा। गधों ने गुलाब जामुन की दावत उड़ाई।

दिमाग हैरान परेशान! इस घोर पापी दुनिया में जहां एक इंसान दूसरे इंसान को बेमतलब जहर तक नहीं खिलाता, वहां गधों को गुलाब जामुन कैसे खिलाए जा रहे हैं? कहीं गधों और गुलाब जामुन का मेरी तरह कोई रिश्ता तो नहीं है? या हमारे देश में कोई नया रिवाज चालू हुआ है, जिसका मुझे कोई इल्म न हो।

किताबों की शरण में जाने पर पता चला कि न तो गधे हमारे हैं और न ही गुलाब जामुन। एक कहानी के मुताबिक गुलाब जामुन को मध्य युग में ईरान में बनाया गया था, जो कालांतर में तुर्कियों द्वारा भारत लाया गया। गधों के बारे में यह खबर मिली कि करीब सात हजार साल पहले इंसान ने पूर्वी अफ्रीका में गधों को गधा बनाने यानी कि पालतू बनाने का प्रयास किया था और वह अपने इस उद्देश्य में सफल भी रहा। गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में चवालीस मिलियन गधे हैं। अनुमान इसलिए कि जब जनगणना की चिंता कोई नहीं पालता तो गधों की गिनती करने की फुर्सत किसे है! और भला गधे भी कोई गिनने की चीज हैं? चवालीस मिलियन गधों में से 99% गधे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पाए जाते हैं। इस हिसाब से हमारे हिस्से में भी बड़ी संख्या में गधे आए हैं। मेरा ऐसा मानना है कि उच्च आय वाले देशों के गधे, घोड़ों की वेशभूषा धारण करने योग्य हो गए। इसी कारण वहां गधों में गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन हमारे देश में अभी भी गधों को उनके मूल स्वरूप में उपयोगी माना जाता है। यह बात अलग है कि आजकल इंसान भी गधों का लबादा ओढ़ने लगे हैं।

इंसान से बेहद करीबी रिश्ता रखने वाला यह जानवर निरा गधा नहीं है। इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। ये करीब पचीस साल पहले तक देखे गए इलाकों को याद रख सकते हैं। और अधिक संख्या में होने के बावजूद, दूसरे इलाके के गधों को पहचान सकते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण वे बगैर भटके अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं।

इन्हें अकेले रहना पसंद नहीं। समूह में रहते हुए ये आपस में मजबूत सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं। एक-दूसरे की देख-भाल करना और संकट के समय सहायता करना इनकी आदत है। इतनी सारी खूबियों के बावजूद ये गधे हैं और सामाजिक प्राणी होने का तमगा अकेले मनुष्य ने ही अपने गले में पहन रखा है।

इनकी तमाम विशेषताओं के लिए और मनुष्य के विकास में इनके महत्व को रेखांकित करने के लिए आर्क रजीक नाम के एक रहम दिल साइंटिस्ट की कोशिशों से वर्ष 2018 से 'विश्व गधा दिवस' मनाना आरंभ किया गया, लेकिन हमारे देश के गधे अभी इस सम्मान की बाट ही जोह रहे हैं।

इतनी सारी बातें जानने के बाद इस मूक प्राणी के लिए मन में सम्मान का भाव जागा, साथ ही यह जिज्ञासा भी जागी कि गधों को गुलाब जामुन में रुचि क्यों कर होने लगी? ऐसा तो नहीं कि लोगों को चारा हजम करते देख उनकी इंसानों से बदला लेने की भावना प्रबल हो गई हो? यह भी हो सकता है कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते प्रयोग से इंसानी अक्ल निठल्ली हो कर घास चरने लगी हो और आने वाले समय में घास का टोटा पड़ने वाला हो?

इन सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद मुझे पता चला कि इन बेचारों ने खुद गुलाब जामुन नहीं खाए बल्कि जुगाड़ू इंसान ने अपने स्वार्थ के खातिर इन्हें गुलाब जामुन खाना सिखला दिया। कभी अच्छी बारिश की कामना के खातिर टोटके के रूप में तो कभी इंसानी गधों की अक्ल ठिकाने लगाने। गधे भी बेचारे इस उम्मीद में गुलाब जामुन खाए जा रहे हैं कि ईश्वर इंसान पर भले ही रहम न करे पर उन पर रहम कर बारिश तो करवा ही देगा। और आज न सही कल ही सही, हरी नरम दूब खाने को तो मिल जाएगी। बहरहाल, बारिश को गधों के भरोसे छोड़ इंसान द्वारा पर्यावरण में पलीता लगाने का काम बदस्तूर जारी है। वहीं दूसरी ओर गधों का लबादा ओढ़े इंसानों का गुलाब जामुन खाना भी जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सघन अनुभूति की कविताएं

हाल में सुपरिचित कवि शंकरानंद का चौथा कविता संग्रह 'जमीन अपनी जगह' प्रकाशित होकर आया है। भले ही इन कविताओं का आकार छोटा है लेकिन इनमें व्यक्त सघन अनुभूतियों का आयतन काफी विस्तारित है। ये अनुभूतियां केवल उनके निजी जीवन तक नहीं सिमटी हैं, वे अपने समय, समाज, देश और विश्व पर मंडराते संकटों पर भी नजर रखते हैं। *युद्ध से कुछ नहीं बचता/ ये और बात है कि इसका एहसास/ युद्ध खत्म होने के बाद होता है/ तब तक बहुत देर हो चुकी होती है* (युद्ध के बीच)। वे अपने आस-पास लगातार छीजती जा रही संवेदना से भी विचलित होते हैं, तभी 'नींद में आग' जैसी कविता रच पाते हैं। 'शोक के बीच' कविता में वह एक टीस के साथ इस सच को स्वीकारते हैं, *शोक के बीच पल रहा जीवन/ इस देश का दूसरा सच है/जो देखने नहीं दिया जाता अब/* कहने की जरूरत नहीं कि इन कविताओं के जरिए कवि की चिंताएं अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई हैं। और उनकी चिंताएं हर संवेदनशील इंसान की चिंताएं हैं। *

पुस्तकः जमीन अपनी जगह (कविता संग्रह), **रचनाकारः** शंकरानंद, **मूल्यः** 295 रुपए, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

फेडोरा हैट, काऊबॉय हैट, उशांका हैट

गर्मी के मौसम में धूप से बचने के लिए लोग तरह-तरह के हैट्स या कैप्स पहनते हैं। इससे ट्रेंडी, फैशनेबल और कूल लुक मिलता है। अपने देश में ही नहीं दुनिया भर में तरह-तरह के हैट्स और कैप्स पहनने का ट्रेंड रहा है। हम आपको दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पॉपुलर कुछ ट्रेंडी-फैशनेबल हैट्स-कैप्स के बारे में बता रहे हैं।

स्टाइलिश-ट्रेंडी हैट्स-कैप्स

{ फैशन / शिखर चंद जैन }

गर्मी के मौसम में धूप से बचाने के लिए सिर पर हैट या कैप पहनना अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हैट या कैप सिर्फ सिर ढंकने के ही काम नहीं आता, यह आपकी पर्सनालिटी को डिफरेंट और इंप्रेसिव लुक भी देता है। तरह-तरह के हैट्स-कैप्स पर एक नजर।

बूनी हैट

बूनी हैट: यह सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। इसके चारों ओर लंबाई में छज्जेनुमा डिजाइन होती है, जो कान और गर्दन पर पड़ने वाली धूप से बचाती है। इस हैट का उपयोग कई देशों में मिलिट्री के जवान करते हैं।

बोटर हैट: इसकी संरचना सीधी बुनी हुई होती है। यह सीधा टॉप और सीधे छज्जे लिए होती है। आमतौर पर इसे नाविक पहनते हैं या फिर गर्मी में आउटडोर पार्टियों में भी पहना जाता है। इस पर तरह-तरह के रिबन बांधकर इसे और आकर्षक बनाया जा सकता है।

बर्कसिन

बर्कसिन: इसे सबसे लंबी हैट माना जाता है। यह कानों समेत पूरा सिर कवर किए रहता है। पहनने पर यह काफी ऊंचा दिखाई देता है। यह फर से बना होता है। इसमें ऊपरी हिस्से से भी फर लटके होते हैं। यह कैजुअल वियर के तौर पर नहीं पहना जाता है। इसे मैचिंग ड्रेस कोड के साथ ही पहना जाता है।

पनामा: इक्वेडोर में बना यह हैट घास और पौधों की पत्तियों से बना होता है। यह हैट बहुत ही सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखता है।

बाउलर/डर्बी हैट: इस हैट का निर्माण 1850 में सेंट जेम्स ने किया था। जेम्स ने ही लीसेस्टर में थॉमस कुक के कर्मचारियों के लिए इस हैट का निर्माण किया था। बाद में यह डर्बी हैट के नाम से पॉपुलर हो गया।

गेटस्बी: इसे न्यूसबॉय हैट के नाम से भी जाना जाता है। इसमें सिर के ऊपर से आठ भाग निकलते हैं, जो जुड़कर एक टोपी का आकार लेते हैं। किनारे पर आकर यह गोलाकार हो जाते हैं। इसमें आगे की ओर छज्जा होता है।

हमबर्ग: यह चौड़े किनारों वाला हैट बहुत आकर्षक दिखता है। इसे जर्मनी में काफी पहना जाता है।

काऊबॉय हैट: अपने ग्लैमरस लुक के कारण यह काफी प्रचलन में है। इसके किनारे काफी लंबे होते हैं। लंबे किनारों के कारण यह रफ-टफ काम में आरामदायक साबित होती है। लंबे किनारे बरसात और धूप से हैट पहनने वाले को बचाए रखते हैं।

अकूबरा हैट

पनामा हैट

टूडूर बोनट हैट

सांता कैप

फेडोरा: यह हैट कोमल फैब्रिक से बना होता है। इसके आगे की तरफ छोटी छज्जेनुमा संरचना होती है, जबकि पीछे की तरफ यह संरचना बिल्कुल कम हो जाती है। इसके छज्जे के बाद ऊपर की ओर रिबन बंधा रहता है।

ट्रीकोन/ट्रायकॉर्न: परंपरागत रूप से यह हैट ट्रीकोन नामक सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। चौड़े किनारों वाले इस हैट के किनारे ऊपर की ओर मुड़े होते हैं। जो एक पिन के माध्यम से हैट से जुड़ते हैं। यह पीछे की ओर से पिन से बंधा होता है। इस तरह इसका आकार तीन तरफा होता है।

स्लाउच: यह हैट एक ओर कान की तरफ से ऊपर की ओर मुड़ा होता है। इसके आगे और पीछे के किनारे ज्यादा लंबे होते हैं। सामने और कान के ऊपर की ओर एक बक्कल लगा होता है। यह हैट ज्यादातर हॉर्स राइडर्स और आर्मी के जवान पहनते हैं।

सांब्रेरो: पानी में तैरते टापू की तरह दिखने वाला यह मैक्सिकन हैट ऊपर से एकदम उठा होता है। इसके चारों ओर किनारे लंबे होते हैं। ये किनारे हैट के किनारों तक आते-आते वापस ऊपर की ओर मुड़ते हैं।

टोप हैट

टोप हैट: यह एक खड़ा-लंबा हैट होता है, जिसकी छत सपाट होती है। यह चारों ओर गोलाई में होता है और दूसरे हैट्स की तुलना में ज्यादा ऊंचाई लिए होता है। चारों ओर किनारे वाला यह हैट 19वीं-20वीं शताब्दी में संभ्रांत लोगों यानी एलीट क्लास के लोगों द्वारा पहना जाता था।

टूडूर बोनट: यह मुलायम हैट उल्टी हांडी की तरह दिखाई देता है। यह अकादमी से जुड़ा हैट माना जाता है। इस हैट की खासियत इसमें बंधने वाला रस्सीनुमा फूंदना होता है। इस हैट को अपनी मर्जी के अनुसार टाइट या ढीला किया जा सकता है।

फेज: यह लाल रंग का बिना किनारे वाला हैट होता है। इसमें कोई किनारा नहीं होता। अफ्रीकी इस्लामिक देशों में रहने वाले लोग इसे ज्यादा पहनते हैं।

उशांका: इसे रूसी हैट माना जाता है। यह फर से बना होता है, जो गर्माहट देता है। इसमें किनारों पर मुड़े हुए छज्जे नहीं होते हैं। लेकिन हैट का निचला हिस्सा कानों को कवर करता है।

केपी: यह फ्रांस की मिलिट्री हैट है। सधी हुई गोलाई में बनी यह हैट पहनने वाले को गर्माहट देती है। इसके आगे बना छज्जा इस तरह का होता है कि आंखों को साइड में देखने में कोई परेशानी नहीं होती। यह छज्जा सिर्फ आंखों के ऊपर तक ही होता है।

अकूबरा: यह ऑस्ट्रेलिया में पहनी जाने वाली पॉपुलर कैप है, जो कुछ-कुछ फेडोरा और काऊबॉय हैट जैसी लगती है।

सांता कैप: पारंपरिक रूप से यह क्रिसमस त्योहार पर पहनी जाने वाली कैप है। गहरे लाल रंग की यह कैप पीछे से लंबाई में लटकती है। इसमें सफेद फर किनारों पर लगे होते हैं। *

बेसबॉल कैप

यह सॉफ्ट कैप होती है। दिखने में यह स्पोर्ट्स कैप जैसी दिखती है। इसका छज्जा लंबाई में निकला होता है। यह सिर से कानों तक कवर करती है।

यह सही है कि किसी भी फील्ड में सक्सेस के लिए नॉलेज होना जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही अपनी नॉलेज और वर्किंग स्टाइल को दूसरों के सामने इंप्रेसिव तरीके से प्रेजेंट करना भी बहुत जरूरी होता है। यह क्यों जरूरी है, जानिए।

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है प्रेजेंटेशन को बनाएं इंप्रेसिव

{ सक्सेस मंत्र / कीर्तिशेखर }

आज के दौर में ज्ञान के साथ-साथ खुद को पेश करने की कला भी सफल करियर का अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह सिर्फ कहने वाली बात नहीं है। समय-समय पर हुए सर्वेक्षणों के आंकड़े भी इस ओर इशारा करते हैं कि बेहतर नौकरी पाने के लिए तकनीकी कुशलता का महज 15 फीसदी योगदान होता है, जबकि बचा हुआ 85 फीसदी सामाजिक और व्यावसायिक सलीके से जुड़ा होता है। इसलिए हमें डिग्रियों या तकनीकी कुशलता के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष तौर पर फोकस करना चाहिए। इसके अलावा खुद को पेश करने की उस कला में भी पारंगत होना चाहिए, जिससे बड़ी संख्या में लोग अनभिज्ञ होते हैं।

कॉम्पिटिशन है बहुत: इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज बाजार में बेहतर से बेहतर विकल्प मौजूद हैं। नौकरी पाने वालों के लिए भी और नौकरी देने वालों के लिए भी। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि नौकरी देने वालों के सामने विकल्प (अनएंप्लॉयड लोग) बड़ी तादाद में उपलब्ध हैं, जबकि नौकरी पाने वालों के सामने विकल्प एक संघर्ष के तौर पर मौजूद है। संघर्ष इसलिए कि दूसरों से खुद को बेहतर वर्किंग प्रोफेशनल सिद्ध करना होता है। सवाल है, ऐसे में क्या किया जाए? इसका भी जवाब है कि खुद को पेश करने की कला में स्मार्ट हुआ जाए।

कैसे करें स्मार्टली प्रेजेंट: अब सवाल उठता है कि खुद को कैसे पेश किया जाए ताकि हम पहली ही मुलाकात में सामने वाले को आकर्षक और अपनी ओर ध्यान खींचने वाले साबित हो सकें। हालांकि आज की तारीख में अधिकतर यंगस्टर्स खूबसूरत, स्मार्ट और ऊर्जावान दिखने का प्रयास करते ही हैं। मनचाही नौकरी हासिल करने के प्रयास के दौरान प्रेजेंटेबल दिखने के लिए अपने गुड लुक, स्मार्ट और एनर्जेटिक होने के साथ-साथ हमें चाहिए कि हम अपने बिहेवियर में एटिकेट्स और लीडरशिप क्वालिटीज को भी शामिल करें। साथ ही अपनी नॉलेज और इंफॉर्मेशंस को भी लगातार अपडेट करते हुए इसमें शामिल करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जब तक हम अपने एरिया की नॉलेज और जानकारियां हासिल नहीं कर लेते, तब तक लीडरशिप नहीं निभा सकते। वैसे भी आत्मविश्वास तभी आ सकता है, जब हम ज्ञान से लबरेज हों। इसलिए सबसे पहले हमें अपनी फील्ड की भरपूर और लेटेस्ट जानकारियों के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। बेहतर भविष्य की चाह है तो खुरदुरे राह को खुद ही आसान बनाने का जिम्मा उठाना होगा।

न करें संकोच: खुद को पेश करने की कला यानी आर्ट ऑफ प्रेजेंटेशन में पारंगत होने के लिए सबसे पहले यह जानें कि आखिर खुद में कमी कहां-कहां है? सामान्यतः लोगों में देखने में आता है कि वे अकसर कोई इनिशिएटिव लेने से घबराते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि उनके दिमाग में यह सवाल बार-बार आता रहता है कि कहीं लोग उनकी बात या आइडिया का मजाक तो नहीं उड़ाएंगे? अगर आप इस ख्याल से ग्रस्त हैं तो ध्यान रखें कि आपकी मंजिल अभी बहुत दूर है। अगर आप सफलता को पाना चाहते हैं तो इस बात को गांठ बांध लें कि शुरुआती दिनों में आपके आइडियाज पर लोग हंसेंगे, उसका मजाक बनाएंगे, उसे पहली नजर में ही नकार देंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप असफल हैं। इसका मतलब यह है कि आपमें वो काबिलियत है, जिससे दूसरे लोग घबराते हैं और आपको उभरने नहीं देना चाहते। कहने का मतलब यह है कि अगर लोग आपके नए आइडियाज को गंभीरता से नहीं लेते हैं तो आप उस पर कुछ वर्क करके उसके कुछ रिजल्ट सामने पेश कर खुद को प्रूफ कर सकते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान: इंप्रेसिव प्रेजेंटेशन के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि सोसाइटी में, पर्सनल-प्रोफेशनल मीटिंग्स और कॉर्पोरेट गेदरिंग में कैसे व्यवहार करना चाहिए? इसके लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस, एटिकेट्स, लुक्स, टेबल मैनर्स, बॉडी लैंग्वेज में सुधार, बातचीत का सलीका, सही उच्चारण की ट्रेनिंग, एंगर मैनेजमेंट, कुलीग्स पीयर प्रेशर मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। *

भारत को गांवों का देश कहा जाता है। इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं, जो अपनी अनोखी विशेषता के कारण पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे गांवों के बारे में जानिए।

भारत के ये गांव हैं अनोखे

{ रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी }

माधोपट्टी आईएएस की फैक्ट्री: उत्तर प्रदेश के जौनपुर में माधोपट्टी नाम का एक गांव ऐसा है, जिसे 'आईएएस की फैक्ट्री' कहा जाता है। इस गांव ने देश को कई आईएएस अधिकारी दिए हैं। यहां से सबसे ज्यादा लोग सिविल सर्विसेज में सफल होते हैं। लगभग 75 परिवारों वाले इस गांव के करीब 47 लोग आईएएस, आईपीएस और आईआरएस जैसे पदों पर कार्यरत हैं। गांव के कई लोग देशभर में बड़े पदों पर तैनात रहे हैं। जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गांव तब चर्चा में आया था, जब एक ही परिवार के 5 लोग आईएएस ऑफिसर बने थे। यहां पुरुष ही नहीं, कई महिलाओं का चयन भी सिविल सर्विसेज में हुआ है, वो भी बिना किसी कोचिंग के। यही वजह है कि माधोपट्टी गांव को आईएएस, आइपीएस की 'फैक्ट्री' कहा जाने लगा है।

चंदनकी जहां किसी घर में खाना नहीं बनता: गुजरात में एक छोटा-सा गांव है चंदनकी। इस गांव में ज्यादातर लोग बुजुर्ग हैं। गांव के अधिकतर युवा शहरों या विदेशों में सैटल हो गए हैं। पहले इस गांव की आबादी लगभग 1,100 थी, जो अब करीब 500 रह गई है और इनमें से ज्यादातर बुजुर्ग हैं। इस गांव में रह रहे बुजुर्गों में से कोई भी घर में खाना नहीं बनाता। दरअसल, गांव के सभी लोगों ने मिलकर कम्युनिटी किचेन शुरू किया है। इस किचेन में पूरे गांव के लिए खाना बनता है और हर व्यक्ति को महीने में महज 2000 रुपए की राशि देनी होती है। इसमें उन्हें महीने भर दोनों समय भरपूर भोजन मिलता है। इस रसोई में विभिन्न प्रकार का पारंपरिक गुजराती खाना परोसा जाता है, जिसे पोषण का ध्यान रखकर बनाया जाता है। रसोई के जिस हॉल में लोग बैठकर खाना खाते हैं, वह एयर कंडीशंड हॉल है। इसके लिए सोलर पावर के जरिए बिजली का इस्तेमाल किया जाता है। गांव वालों के लिए ये सिर्फ खाना खाने की जगह नहीं है, बल्कि यहां बैठकर वे सुख-दुख भी बांटते हैं। इस अनोखे आइडिया के पीछे गांव के सरपंच पूनमभाई पटेल हैं, जो न्यूयॉर्क में 20 साल बिताने के बाद अहमदाबाद में अपना घर छोड़कर चंदनकी गांव लौट आए। उन्होंने गांव के बुजुर्गों को खाना बनाने के लिए स्ट्रगल करते देखा, तभी उनके दिमाग में यह आइडिया आया और उन्होंने कम्युनिटी किचेन का कॉन्सेप्ट लोगों को समझाया।

मधापार एशिया का सबसे अमीर गांव: गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है दुनिया के सबसे अमीर गांवों में से एक और एशिया का सबसे अमीर गांव मधापार। करीब 7,600 घरों वाले इस गांव में 17 बैंक हैं। इन सभी बैंकों में ग्रामीणों के लगभग 7 हजार करोड़ रुपए जमा हैं। 17 बैंकों के अलावा इस गांव में स्कूल, कॉलेज, झील, हरियाली, बांध, स्वास्थ्य केंद्र, मंदिर तथा अत्याधुनिक गौशाला भी हैं। दरअसल, मधापार गांव के ज्यादातर लोग एनआरआई हैं, जो यूके, यूएसए, कनाडा समेत दुनिया के कई अन्य हिस्सों में रहते हैं। उन्होंने देश के बाहर पैसे कमाकर गांव की तरक्की में योगदान कर यहां पैसा जमा किया।

कोडिन्ही जुड़वां बच्चों का गांव: इमेजिन कीजिए कि आप कहीं जाएं और वहां एक जैसे दिखने वाले कई सारे लोग एक साथ आपकी नजर के सामने आ जाएं! ऐसा हो सकता है, केरल के कोडिन्ही गांव में। इस गांव में देश में सबसे ज्यादा जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं। देश में जहां जुड़वां बच्चों का राष्ट्रीय औसत 1000 जन्मों में 9 के आस-पास है, वहीं कोडिन्ही में यह संख्या 1000 जन्मों में 45 से अधिक है। यह गांव शोधकर्ताओं के लिए किसी रहस्य जैसा है।

शनि शिन्ननापुर यहां घरों में नहीं हैं दरवाजे: महाराष्ट्र के इस गांव में घर तो हैं, लेकिन किसी घर में दरवाजा नहीं लगाया जाता है। यहां आने वाले लोग/पर्यटक भी बिना दरवाजों वाले गेस्ट हाउस में ही रुकते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान शनि इस गांव के रक्षक हैं। उनके होते हुए गांव में चोरी संभव नहीं है। *

मॉडलिंग से एक्टिंग की दुनिया में आईं निम्रत कौर इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह राजघराने की महिला इंद्राणी रायसिंह के रोल में दिख रही हैं। इस रोल को निभाने के लिए उन्हें कैसी तैयारी करनी पड़ी, उनकी फ्यूचर प्लानिंग्स क्या हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत निम्रत कौर से।

मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं: निम्रत कौर

{ खास मुलाकात / पूजा सामंत }

जियो हॉटस्टार पर पिछले दिनों नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इस शो की प्रोटोगनिस्ट (मुख्य पात्र) हैं निम्रत कौर। एक शाही घराने की इस रंजिशभरी कहानी में निम्रत ने इंद्राणी रायसिंह का किरदार निभाया है। इस शो के अलावा और भी कई विषयों पर हाल में उनसे लंबी बातचीत हुई। प्रस्तुत है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

हाल में वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इसे आपने क्यों एक्सेप्ट किया और इसमें अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए।

मुझे इस शो की कहानी और इसमें मेरा किरदार दोनों अच्छे लगे। मैंने आज तक इतना उलझा हुआ, इतना कॉम्प्लेक्स किरदार नहीं निभाया था। शो में मेरे किरदार का नाम है इंद्राणी रायसिंह, जो परिवार की दो बहनों में बड़ी बहन है। परिवार में बड़ी बहन होने के कारण इंद्राणी अपनी जिम्मेदारी निभाना बखूबी जानती है। अपनी बहन को लेकर इंद्राणी बहुत प्रोटेक्टिव भी है। इंद्राणी के शाही परिवार में एक साथ कई कहानियां चलती हैं। कई शॉकिंग घटनाएं घटती हैं। किरदारों की परतें खुलती जाती हैं।

'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' में को-एक्टर्स के साथ निम्रत कौर

पर्सनल लाइफ में भी आप बड़ी बहन हैं, क्या कुछ समानता है आपमें और इंद्राणी रायसिंह में?

पर्सनल लाइफ में मैं अपनी छोटी बहन रुबीना की दीदी हूं। हमारा रिश्ता बेहद प्यारा और एक-दूसरे को स्पेस देने वाला है। जब भी उसे जरूरत होती है, मैं उसे गाइड करती हूं। मेरी बहन बहुत इंटेलिजेंट है। वह एक साइकोलॉजिस्ट है। मुझे उस पर नाज है।

क्या आपको इंद्राणी की भूमिका निभाने के लिए कुछ होमवर्क करना पड़ा?

यह महलों में रहने वाले शाही परिवार की कहानी है। शो की कहानी और किरदारों में कई ट्विस्ट एंड टर्न्स आते हैं। इंद्राणी रायसिंह राजघराने की ऐसी महिला है, जिसकी लाइफ में कई अप्स एंड डाउंस आते हैं। चूंकि मैं वास्तव में एक मध्यम वर्गीय परिवार से आती हूं, इसलिए इंद्राणी के किरदार, उसके मेंटल स्टेटस को समझना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल रहा। इसके किरदार को निभाने के लिए मुझे खुद को फिजिकली से ज्यादा मेंटली प्रिपेयर करना पड़ा।

'लंच बॉक्स', 'एयरलिफ्ट' जैसी फिल्मों की सफलता के बाद लगा कि आपकी फिल्में लगातार आती रहेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अच्छे ऑफर नहीं मिले या आप फिल्मों को लेकर काफी सेलेक्टिव हैं?

मेरे लिए ही नहीं, कई सारे लोगों के लिए कोरोना लॉकडाउन के दौर ने जीवन के दो वर्ष में सब कुछ रोक दिया था। उससे थोड़ा पहले मैंने विदेश में काफी काम किया। जैसे ही कोरोना पीरियड खत्म हुआ, साल 2022 से धीरे-धीरे काम पटरी पर आने लगा। मैंने अपने काम का रुख इंडिया में ही केंद्रित किया। जो काम बैकलॉग में किया था, वो अब धीरे-धीरे रिलीज हो रहा है। अमेरिकन टीवी सीरीज 'होमलैंड' मैंने वहां जाकर शूट किया। 2023 में मैंने साइंस फिक्शन सीरीज में काम किया। अब चूंकि इनमें से ज्यादातर काम मेन स्ट्रीम से थोड़ा अलग था, इस वजह से ये मान लिया गया कि मैं फिल्मों से दूर थी, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

आज के दौर की अधिकतर एक्ट्रेसेस, बिजनेस माइंडेड हैं, वे खुद को सक्सेसफुल एंटरप्रेन्योर के रूप में स्थापित कर रही हैं। आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा, कृति सेनन की तरह आप क्या फिल्म प्रोडक्शन के फील्ड में जाना चाहती हैं?

अगर कोई फिल्म निर्माण की पूरी जिम्मेदारी, खासकर बिजनेस पार्ट संभाल ले तो मैं को-प्रोड्यूसर बनने के लिए रेडी हूं। मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं। मैं फौजी जवान, किसान (मां की तरफ से) की बेटी हूं, बिजनेस करने में कच्ची हूं। मुझे फाइनेंस आंकड़ों की गुत्थी समझ नहीं आती। इसलिए मैं अब तक बिजनेस से दूर ही रही हूं।

आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग बहुत कॉमन है, इस ट्रोलिंग को आप किस नजरिए से देखती हैं? आप खुद ट्रोलिंग को कैसे हैंडल करती हैं?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मेरी इन्वॉल्वमेंट कम से कम होती है। ये सच है कि आज के युग में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का होना एक नेसेसिटी भी बन गई है। यहां सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल कौन, कैसे करता है। जहां तक ट्रोलिंग या ट्रोलर्स की बात है, तो मुझे लगता है उनमें काफी नेगेटिविटी भरी होती है। कई बार ट्रोल्स के शिकार लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है, वे डिप्रेशन में जा सकते हैं। मैं तो ट्रोलर्स के नेगेटिव कमेंट्स पढ़ती ही नहीं।

अगर आपको बायोपिक करना हो तो किसकी बायोपिक करना चाहेंगी?

मैं लेखिका अमृता प्रीतम की बायोपिक करना चाहती हूं। अमृता प्रीतम की आत्मकथा 'रसीदी टिकट' मैंने कई बार पढ़ी है। मैं उनसे काफी प्रभावित भी रही हूं। वक्त से काफी आगे थी अमृता जी। बहुत संवेदनशील लेखिका, हर रिश्ते को उन्होंने बड़ी शिद्दत और सहजता से स्वीकार करते हुए निभाया। निस्वार्थ प्रेम था उनका।

आपके आने वाले प्रोजेक्ट्स कौन-कौन से हैं?

इसी वर्ष मेरी कम से कम तीन फिल्में रिलीज होंगी। साथ ही ओटीटी पर कुछ वेब शो भी दर्शक देख पाएंगे। *